Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 356
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार, 31 दिसम्बर, 2025

# मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

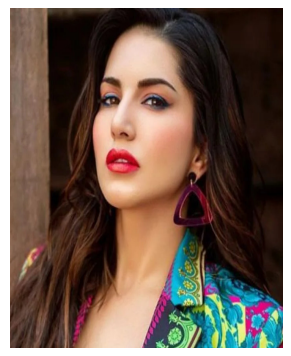

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित



3 निगम चुनाव से पहले कांग्रेस गठबंधन पर...
4 सिडनी हमले से विश्व में और बढ़ेंगी मुसलमानों ...
7 26 साल की एक्ट्रेस नंदिनी सीएम ने क्यों ....

## संक्षिप्त न्यूज

### केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन का डीएमके पर हमला, संविधान और आंबेडकर के अपमान का लगाया आरोप

मदुरै। केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन ने मंगलवार को तमिलनाडु की सत्ताधारी द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पार्टी पर संविधान और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का अपमान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कार्तिगई दीपम के अवसर पर दीपक जलाने के मामले में उच्च न्यायालय के निर्णय का सम्मान नहीं किया और हिंदुओं के पूजा के अधिकार को रोका।

**मंत्री ने डीएमके पर लगाए आरोप**

उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके सरकार ने भगवान मुरुगन के भक्तों को दीपक जलाने से रोका। साथ ही केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के उन कर्मियों को भी वापस भेज दिया, जो भक्तों के साथ तिरुप्परनकुंड्रम पहाड़ी की चोटी पर एक खंभे पर दीपक जलाने गए थे। मुरुगन ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'भारत का संविधान व्यक्तिगत पूजा के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में सुनिश्चित करता है। इसके निर्माता डॉ. अंबेडकर ने इसका समर्थन किया था। डीएमके के पास भक्तों को धार्मिक पूजा करने से रोकने का कोई अधिकार नहीं है।' सूचना और प्रसारण राज्य मंत्री ने तिरुप्परनकुंड्रम स्थित अरुलमिघू सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि भगवान मुरुगन के भक्त डीएमके से क्रोधित हैं क्योंकि उन्हें पूजा करने से रोका गया।

मुरुगन ने कहा, 'मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ के निर्णय को लागू करने के स्थान पर डीएमके ने इस मामले में फैसला सुनाने वाले न्यायमूर्ति जी आर स्वामीनाथन पर महाभियोग चलाने का प्रयास किया।' अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा, 'डीएमके संविधान को कुचल रही है। भगवान मुरुगन इस अत्याचार और अराजकता को देख रहे हैं।

पीएम मोदी ने 2025 को बताया नागरिक-केंद्रित सुधारों का महावर्ष

# बोले- रिफॉर्म एक्सप्रेस पर सवार भारत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को 2025 को भारत के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष बताया और कहा कि देश ने कराधान, श्रम, व्यापार, ऊर्जा, शिक्षा और ग्रामीण रोजगार सहित कई क्षेत्रों में सुधारों के साथ सुधार की एक्सप्रेस में सवार हो गया है। उन्होंने कहा कि भारत ने सुधार की रफ्तार पकड़ ली है! 2025 में विभिन्न क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुधार हुए हैं, जिन्होंने हमारी विकास यात्रा को गति प्रदान की है। ये सुधार एक विकसित भारत के निर्माण के हमारे प्रयासों को भी बल देंगे। एक विस्तृत लिंक्डइन पोस्ट में, प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि सुधारों को एक सतत राष्ट्रीय मिशन के रूप में आगे बढ़ाया गया है, जो पिछले 11 वर्षों की प्रगति पर आधारित है। उन्होंने लिखा, 'हमने संस्थानों का आधुनिकीकरण किया, शासन को सरल बनाया और दीर्घकालिक, समावेशी विकास की नींव को मजबूत किया।' प्रमुख उपायों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में परिवर्तन शामिल थे, जिसमें विवादों को कम करने और अनुपालन में सुधार लाने के लिए 5इ और 18इ की सरल दो-स्तरीय संरचना लागू की गई। मध्यम वर्ग के करदाताओं को राहत मिली क्योंकि 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय वाले व्यक्तियों को आयकर नहीं देना होगा, जबकि 1961 के पुराने आयकर अधिनियम को आयकर अधिनियम, 2025 से प्रतिस्थापित कर दिया गया।

लघु और मध्यम व्यवसायों को भी लाभ हुआ क्योंकि लघु कंपनियों की परिभाषा

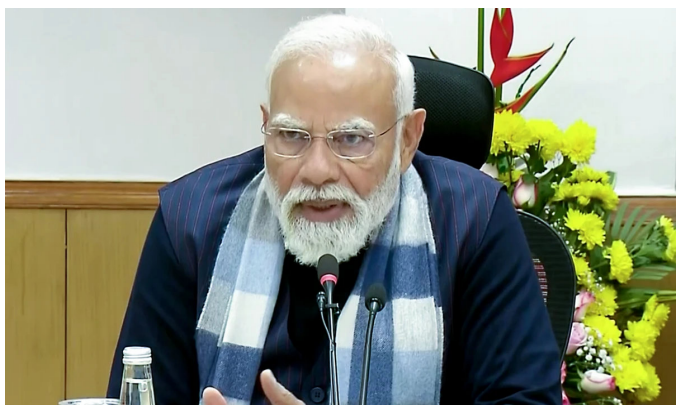



का विस्तार करके इसमें 100 करोड़ रुपये तक के कारोबार वाली फर्मों को शामिल किया गया, जिससे अनुपालन आसान हुआ और लागत में कमी आई। सरकार ने प्रतिस्पर्धा बढ़ाने और सेवाओं में सुधार लाने के उद्देश्य से बीमा क्षेत्र में 100इ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति दी। पूंजी बाजारों में, निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने, शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने और प्रौद्योगिकी आधारित प्रणालियों के माध्यम से अनुपालन को सरल बनाने के लिए प्रतिभूति बाजार संहिता विधेयक पेश किया गया।

पांच नए समुद्री कानून पारित किए गए, जिनसे रसद व्यवस्था का आधुनिकीकरण हुआ और लागत में कमी आई। जन विश्वास पहल के तहत, अनावश्यक अपराधीकरण को समाप्त करने के लिए 71 पुराने कानूनों को निरस्त किया गया। श्रम सुधारों के तहत 29 पुराने कानूनों को चार आधुनिक श्रम संहिताओं में विलय कर दिया गया, जिससे सामाजिक सुरक्षा का विस्तार हुआ, श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा हुई और महिला कार्यबल की भागीदारी को प्रोत्साहन मिला।

भारत ने न्यूजीलैंड, ओमान और ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौते किए और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) को लागू किया, जिससे बाजार पहुंच और निवेश के अवसरों में वृद्धि हुई। परमाणु ऊर्जा का जिम्मेदारीपूर्वक विस्तार करने, निजी भागीदारी को प्रोत्साहित करने और देश की बढ़ती स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शांति अधिनियम पेश किया गया।ग्रामीण रोजगार गारंटी को ग्राम विकास अधिनियम, 2025 के तहत 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है ताकि गांवों के बुनियादी ढांचे और आजीविका को मजबूत किया जा सके। शिक्षा के क्षेत्र में, यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई जैसे कई निकायों के स्थान पर एक एकल उच्च शिक्षा नियामक की योजना बनाई जा रही है, जिससे संस्थागत स्वायत्तता, अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

सुधारों के पीछे के दर्शन को उजागर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'ये सुधार सहानुभूति के साथ तैयार किए गए हैं, जिनमें छोटे व्यवसायों, युवा पेशेवरों, किसानों, श्रमिकों और मध्यम वर्ग की वास्तविकताओं को ध्यान में रखा गया है।

नेतृत्व विवाद पर डीके शिवकुमार का बड़ा बयान

# बोले- 2026 में सीएम बनने की अपनी संभावना पर करेंगे बात

नई दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने की अटकलों पर फिलहाल विराम लगाते हुए साफ किया है कि इस विषय पर वह वर्ष 2026 में बात करेंगे। साथ ही उन्होंने भरोसा जताया कि कांग्रेस न सिर्फ मौजूदा कार्यकाल पूरा करेगी, बल्कि 2028 के विधानसभा चुनाव के बाद भी सत्ता में लौटेगी और राज्य में कुल



मिलाकर 7.5 साल तक कांग्रेस सरकार चलेगी।

**डीके ने बताया नए साल का संकल्प**

मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में नए साल के संकल्प के सवाल पर शिवकुमार ने कहा, मेरा संकल्प आप सभी को खुश रखना है। राज्य के लोगों को खुश रखना है। नए विचारों के साथ समृद्ध और मजबूत प्रशासन देना है। उन्होंने कहा कि इस साल अच्छी बारिश और फसल हुई है और उम्मीद है कि नया साल भी किसानों के लिए शुभ रहेगा। हम चाहते हैं कि नदियां और तालाब पानी से भरे रहें और किसान खुशहाल हों। जब उनसे पूछा गया कि क्या 2026 में राज्य का प्रशासन उनके नेतृत्व में होगा? तो उन्होंने कहा, कांग्रेस की सरकार चलती रहेगी। मौजूदा सरकार के ढाई साल और उसके बाद 2028 के चुनाव जीतकर नई सरकार- कुल मिलाकर साढ़े सात साल।

**नेतृत्व परिवर्तन पर दिया यह जवाब**

कांग्रेस विधायक इकबाल हुसैन के उस बयान पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, इकबाल हुसैन को ध्यान में मत लीजिए। जब याद दिलाया गया कि वह उनकी ही पार्टी के विधायक हैं, तो शिवकुमार ने मुस्कुराते हुए कहा, शायद अपने क्षेत्र के लोगों के डर से ऐसी बातें कर रहे होंगे। बता दें कि इकबाल ने दावा किया था, नए साल में 200 प्रतिशत संभावना है कि शिवकुमार मुख्यमंत्री बनेंगे।

इस दौरान शिवकुमार ने केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश कर लोगों को गुमराह करने की कोशिश की गई। मैंने कहा था कि हम कर्नाटक के प्रशासन में केरल सरकार का दखल नहीं चाहते, न कि केरल के लोगों का। लेकिन मेरे बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

# केंद्र सरकार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, लव अग्रवाल बने डीजीएफटी प्रमुख, एफसीआई की कमान रवींद्र को

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए कई अहम विभागों में शीर्ष अधिकारियों की नई नियुक्तियां की हैं। इस फेरबदल में वरिष्ठ नौकरशाह लव अग्रवाल को विदेश व्यापार महानिदेशालय का प्रमुख बनाया गया है, जबकि भारतीय खाद्य निगम की जिम्मेदारी रवींद्र कुमार अग्रवाल को सौंपी गई है। इस कदम को नीति निर्माण और प्रशासनिक कामकाज को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कार्मिक मंत्रालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार, इन सभी नियुक्तियों को मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति की मंजूरी मिली है। यह फेरबदल केवल दो पदों तक सीमित नहीं है, बल्कि कुल 25 सिविल सेवकों को अलग-अलग केंद्रीय विभागों में नई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

**डीजीएफटी की कमान लव अग्रवाल के हाथ**

1996 बैच के आईएएस अधिकारी लव अग्रवाल, जो आंध्र प्रदेश कैडर के हैं, को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के



अंतर्गत विदेश व्यापार महानिदेशालय का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। इससे पहले वह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के पद पर कार्यरत थे। डीजीएफटी देश के आयात-निर्यात और विदेशी व्यापार नीतियों से जुड़ा अहम विभाग है।

**एफसीआई में नेतृत्व बदलाव**

सहकारिता मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव रहे रवींद्र अग्रवाल को भारतीय खाद्य निगम का चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। वह अशुतोष अग्निहोत्री की जगह लेंगे। अशुतोष अग्निहोत्री को अब पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव बनाया गया है।

**ऊर्जा और वाणिज्य विभाग में नई जिम्मेदारियां**

बिजली मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव रहे श्रीकांत नागुलापल्ली को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय का महानिदेशक नियुक्त किया गया है। वहीं, 1992 बैच के भारतीय रक्षा लेखा सेवा अधिकारी सुचिंद्र मिश्रा को वाणिज्य विभाग में विशेष सचिव बनाया गया है।

# पंजाब विधानसभा में वीबी-जी राम जी' कानून के खिलाफ प्रस्ताव लाना संविधान के विरुद्धः शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को पंजाब विधानसभा में विकसित भारत- रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी 'वीबी-जी राम जी' कानून के खिलाफ प्रस्ताव पेश किए जाने को संविधान और संघीय ढांचे की मूल भावना के विरुद्ध करार दिया और कहा कि संसद द्वारा पारित कानून को मानना राज्यों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। राजधानी भोपाल स्थित अपने आवास पर आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए चौहान ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा और कहा कि वह कल्पना लोक में रहते हैं और देश की हकीकत से उनका कोई लेना-देना नहीं है।



उन्होंने कहा, बिना मंत्री परिषद और कैबिनेट के काम चलने की बात कहना केवल भ्रम फैलाना है। मन में जो आया, वह कह देना जिम्मेदार राजनीति नहीं है। ज्ञात हो कि राहुल गांधी ने पिछले दिनों कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मंत्रिमंडल से पूछे बिना और मामले का अध्ययन किए बिना अकेले ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को खत्म कर दिया। चौहान ने पंजाब विधानसभा में इस विधेयक के खिलाफ लाए गए प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा कि ये अंध विरोध की राजनीति है और कुछ लोग केवल विरोध के लिए विरोध कर रहे हैं, जिसका लोकतंत्र और संवैधानिक मर्यादाओं से कोई लेना-देना नहीं है।

उन्होंने कहा, अगर संसद में कोई कानून बनता है तो विधानसभा में उसके खिलाफ प्रस्ताव पारित करना हमारे संवैधानिक ढांचे की भावना के खिलाफ है। केंद्रीय मंत्री ने सवाल उठाया कि क्या यह उचित होगा कि राज्य के कानून के खिलाफ जिला पंचायत, जनपद पंचायत या ग्राम पंचायत प्रस्ताव पारित करने लगे? उन्होंने स्पष्ट किया कि संसद द्वारा पारित कानूनों को मानना केंद्र और सभी राज्यों की संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, पंजाब सरकार और विधानसभा में कुछ दल जो कर रहे हैं, वह अलोकतांत्रिक, अमर्यादित और संविधान की मूल भावना के खिलाफ है।

चौहान ने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पंजाब में मनरेगा सहित कई योजनाओं में व्यापक पैमाने पर भ्रष्टाचार के मामलेसामने आए हैं लेकिन न तो दोषियों पर कार्रवाई की गई और न ही गबन की गई राशि की वसूली हुई। उन्होंने दावा किया कि पंजाब में 13 हजार 304 ग्राम पंचायतों में से केवल 5 हजार 915 में ही सोशल ऑडिट हुआ है। उन्होंने कहा, रिपोर्ट में करीब 10 हजार 653 वित्तीय गबन के मामले सामने आए, लेकिन इनमें किसी पर कार्रवाई नहीं की गई।

# शकुनि का चेला दुशासन! ममता का अमित शाह पर तीखा हमला, बंगाल में सियासी महाभारत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर करारा जवाब दिया, जिन्होंने टीएमसी सरकार की तुलना 'भय और भ्रष्टाचार' से की थी और उन पर सीमा बाड़ लगाने के लिए जमीन देने से इनकार करने का आरोप लगाया था। ममता बनर्जी ने जवाब में भाजपा नेताओं की तुलना महाभारत महाकाव्य के पौराणिक पात्रों दुर्योधन और दुशासन से की। शाह के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार ने पेट्रापोल और अंडाल में बाड़ लगाने के लिए जमीन दी थी।

एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 14 साल पहले की स्थिति याद कीजिए, लोग डरे हुए थे। बांकुरा के लिए बहुत विकास कार्य किए गए और जल संकट को दूर करने के लिए बहुत कुछ किया गया। चुनाव आ गए हैं और एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है। टीएमसी नेता ने आगे कहा कि बंगाल में दुशासन आ गया है। चुनाव आते ही दुशासन और दुर्योधन प्रकट होने लगते हैं। यह शकुनी का शिष्य दुशासन है, जो सूचना जुटाने आया है। आज वे कह रहे हैं कि ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी। अगर मैंने जमीन नहीं दी होती तो क्या होता? पेट्रापोल में जमीन किसने दी? आंदल में जमीन किसने दी?

जबकि केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीमा से घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है, ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि वे कहते हैं कि प्रवासी केवल बंगाल से आते हैं। अगर ऐसा है, तो क्या आपने पहलगाम में हमला करवाया था? दिल्ली में हुई घटना के पीछे कौन था? भ्रष्ट भाजपा पार्टी। वे सर के नाम पर लोगों को परेशान कर रहे हैं। केवल आप और आपका बेटा खाएंगे, और हम उपदेश सुनते रहेंगे। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची का विशेष गहन संशोधन और प्रवासियों का आगमन गरमागरम मुद्दे बन गए हैं, जिन्हें राज्य में आगामी 2026 विधानसभा चुनावों में मुद्दा बनाया जा सकता है।

शाह ने कहा कि त्रिपुरा और असम में घुसपैठ रुक गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह जारी है। शाह ने दावा किया कि ममता बनर्जी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए घुसपैठ जारी रखना चाहती हैं, जिसका मकसद 'अपना वोट बैंक बढ़ाना' है। उन्होंने कहा कि ममता, आज मैं आपसे एक सीधा सा सवाल पूछना चाहता हूं। कौन सी सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन देने से इनकार करती है? मैं खुद इसका जवाब दूंगा - यह आपकी सरकार है जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं देती। फिर मैं पूछना चाहता हूं कि घुसपैठिए सबसे पहले बंगाल में क्यों घुसते हैं? आपके पटवारी और पुलिस स्टेशन क्या कर रहे हैं? इन घुसपैठियों को वापस क्यों नहीं भेजा जा रहा है? क्या बंगाल सरकार यह बता सकती है कि असम और त्रिपुरा में घुसपैठ क्यों रुक गई है? यह सिर्फ बंगाल में हो रहा है क्योंकि यह सब आपकी सरकार के शासनकाल में हो रहा है। आप अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए बंगाल की जनसंख्या संरचना बदलना चाहती हैं।

बेंगलुरु से भारत की एविएशन में नई उड़ान

# ध्रुव-एनजी का हुआ अनावरण, मंत्री बोले- आत्मनिर्भरता की ओर बड़ा कदम

बैंगलुरू। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने मंगलवार को बेंगलुरु स्थित हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) में अगली पीढ़ी के नागरिक हेलीकॉप्टर ध्रुव-एनजी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. डीके सुनील भी उपस्थित थे। नायडू ने उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर, ध्रुव-एनजी की पहली उड़ान को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जो स्वदेशी हेलीकॉप्टर का एक नागरिक संस्करण है जिसे एचएएल ने 2025 एयरो इंडिया शो में प्रदर्शित किया था।

एचएएल के अनुसार, ध्रुव-एनजी 5.5 टन का हल्का, दो इंजन वाला, बहु-भूमिका वाला हेलीकॉप्टर है जिसे भारतीय भूभाग की विविध और चुनौतीपूर्ण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे विशेष रूप से वैश्विक नागरिक उड्डयन बाजार की कठोर मांगों को पूरा करने के लिए उन्नत किया गया है। इसे बेहतर सुरक्षा, प्रदर्शन और यात्री आराम के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हेलीकॉप्टर स्वदेशी रोटरी-विंग क्षमता में एक मील का पत्थर है। ध्रुव-एनजी दो शक्ति 1प1ण इंजनों से सुसज्जित है, जो उच्च शक्ति रेटिंग प्रदान करते हैं और भारत में आंतरिक रखरखाव को सक्षम बनाते हैं।

एचएएल ने बताया कि इसमें एएस4 मानकों के अनुरूप नागरिक-प्रमाणित ग्लास कॉकपिट और बेहतर स्थितिजन्य जागरूकता के लिए आधुनिक एवियोनिक्स सूट लगा है। इसमें उन्नत कंपन नियंत्रण प्रणाली है।

# अंडर करेंट को भांपना चाहते हैं स्टालिन, तमिलनाडु में चुनाव से पहले घर-घर होगा सर्वे

चेन्नई। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत, तमिलनाडु सरकार ने राज्य भर में लगभग 1.91 करोड़ परिवारों का सर्वेक्षण करके अपनी कल्याणकारी योजनाओं के व्यापक प्रभाव का आकलन करने का निर्णय लिया है। विभिन्न सरकारी पहलों की पहुंच और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से किया जाने वाला यह व्यापक सर्वेक्षण नए साल से शुरू होकर 12 दिनों तक चलेगा। यह सर्वेक्षण स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के 55,706 सदस्यों द्वारा किया जाएगा, जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जाकर घरेलू स्तर पर डेटा एकत्र करेंगे। इस पहल का समन्वय लोक कल्याण विभाग (मुधलवरिन मुगावरी) द्वारा किया जा रहा है और इससे जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों तक पहुंचने की व्यापक तस्वीर मिलने की उम्मीद है।

विभाग की सचिव रीता हरीश ठक्कर द्वारा जारी एक सरकारी आदेश के

अनुसार, सर्वेक्षण तमिलनाडु ई-गवर्नेंस एजेंसी (टीएनईजीए) द्वारा बनाए गए लाभार्थी डेटाबेस का उपयोग करके कल्याणकारी कार्यक्रमों के वितरण और प्रभाव का आकलन करेगा। विभाग की सचिव रीता हरीश ठक्कर द्वारा जारी एक सरकारी आदेश के अनुसार, यह सर्वेक्षण तमिलनाडु ई-गवर्नेंस एजेंसी (टीएनईजीए) द्वारा बनाए गए लाभार्थी डेटाबेस का उपयोग करके कल्याणकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और प्रभाव का आकलन करेगा। एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण बाद में नीति कार्यान्वयन को बेहतर बनाने और सेवा वितरण में कमियों की पहचान करने के लिए किया जाएगा। इस प्रक्रिया की निगरानी के लिए एक उच्च स्तरीय निगरानी समिति का गठन किया गया है। समिति में ग्रामीण विकास और राजस्व विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रधान सचिव, टीएनईजीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और तमिलनाडु महिला विकास निगम (टीएनसीडीडब्ल्यू) के प्रबंध निदेशक शामिल हैं।

दिल्ली नगर निगम की वित्तीय भविष्य की तैयारी

# 25-27 बजट के लिए प्रस्तावों पर काम तेज, राजस्व बढ़ाने पर जोर

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 और 2026-27 के संशोधित बजट अनुमानों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में स्थायी समिति की एक विशेष बैठक बुलाई गई, जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय समितियों के अध्यक्षों ने अपने-अपने क्षेत्रों के बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किए। एमसीडी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि सिटी-सदर, पहाड़गंज, पश्चिम, मध्य, केशवपुरम, सिविल लाइंस, रोहिणी, करोल बाग, दक्षिण, नजफगढ़, शाहदरा उत्तर, शाहदरा दक्षिण और नरेला क्षेत्रों ने बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्य शर्मा ने कहा कि जनहितैषी और व्यावहारिक बजट तैयार करने के लिए सभी क्षेत्रों से प्राप्त सुझावों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बजट केवल आय और व्यय का दस्तावेज नहीं है, बल्कि शहर के विकास को दिशा देने और नागरिकों की अपेक्षाओं और जरूरतों को पूरा करने का एक मार्गदर्शक है। उन्होंने आगे कहा कि आय और व्यय के बीच असंतुलन को दूर करने के लिए, विभिन्न माध्यमों से राजस्व बढ़ाते हुए वित्तीय घाटे को कम करना आवश्यक है, ताकि निगम पर कोई अतिरिक्त वित्तीय बोझ डाले बिना विकास परियोजनाओं के लिए पर्याप्त बजटीय प्रावधान किए जा सकें। क्षेत्रीय समितियों के अध्यक्षों ने विभिन्न सुझाव दिए और विशेष रूप से दो प्रमुख पहलुओं पर जोर दिया - अतिरिक्त राजस्व स्रोतों की खोज और विस्तार तथा व्यय में पारदर्शिता।

# शिवसेना का सीटों पर 'समझौता', संजय राउत का शिंदे गुट पर बीजेपी के सामने झुकने का गंभीर आरोप, मराठी अस्मिता पर सवाल!

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए महायुति द्वारा सीट बंटवारे की घोषणा के बाद, यूबीटी शिवसेना सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि शिंदे सेना भाजपा के सामने झुक गई है। उपमुख्यमंत्री शिंदे पर कटाक्ष करते हुए राउत ने कहा कि उनका गुट भाजपा द्वारा आवंटित सीटों पर चुनाव लड़ेगा।

महायुति ने सोमवार को आगामी बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए सीट बंटवारे का फार्मूला अंतिम रूप दिया। भाजपा 137 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शिवसेना 90 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा, 'अब तक शिवसेना भाजपा को सीटें देती रही, लेकिन अब अमित शाह की वजह से शिवसेना को सीटें मिल रही हैं। पिछले 60 वर्षों में शिवसेना ने मुंबई में कभी किसी के सामने घुटने नहीं टेके और न ही समझौता किया, लेकिन एकनाथ शिंदे का गुट अमित शाह के पास चला गया है; यह शर्मनाक है। एकनाथ शिंदे का गुट भाजपा द्वारा दी गई सीटों पर चुनाव लड़ेगा। यह मेरे लिए चौंकाने वाला है... यह मराठी लोगों के लिए दुर्भाग्य है।

यह कटाक्ष तब आया जब शिवसेना अपने सहयोगी भाजपा की तुलना में कम सीटों पर चुनाव लड़ेगी। राउत ने यह भी घोषणा की कि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के साथ गठबंधन करने वाली शिवसेना (यूबीटी) बीएमसी चुनावों में लगभग 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने एनसीपी-एससीपी के साथ गठबंधन का भी संकेत दिया। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि हम लगभग 140 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे, जबकि राज ठाकरे की पार्टी बड़ी संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हम एनसीपी (शरद पवार गुट) को भी सीटें दे रहे हैं।

बीएमसी चुनावों से पहले ठाकरे बंधुओं उद्धव और राज ने हाथ मिला लिया है, जिससे 'भूमिपुत्र' का मुद्दा फिर से गरमा गया है। वहीं, एनसीपी-एससीपी ने सोमवार को मुंबई के सात वार्डों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी की। इसी बीच, अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी ने 37 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करने के एक दिन बाद 27 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची की घोषणा की।

# आतंक के खिलाफ निर्णायक वार करने वाले अफसर को मिला देश का सम्मान

## बीड के सपूत बजरंग बनसोडे को केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक

मुंबई। देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने, आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर निर्णायक प्रहार करने तथा अत्यंत संवेदनशील मामलों की सफल जांच में अहम भूमिका निभाने वाले बीड जिले के सपूत और मुंबई के पुलिस उपायुक्त बजरंग आनंदराव बनसोडे को प्रतिष्ठित केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया गया है।

यह गौरवपूर्ण सम्मान दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी सम्मेलन के दौरान प्रदान किया गया। समारोह में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार, गृह सचिव श्री गोविंद मोहन, राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक सदानंद दाते सहित देश के शीर्ष सुरक्षा और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

**NIA में रहते हुए दिखाई असाधारण कार्यकुशलता**

राष्ट्रीय जांच एजेंसी, जो देश की सर्वोच्च जांच संस्था है, आंतरिक सुरक्षा, आतंकवाद, देशविरोधी षड्यंत्रों और नशीले पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों की जांच करती है। बजरंग बनसोडे ने मई 2022 से अगस्त 2025 तक NIA में अपर पुलिस अधीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्य किया। इस दौरान उन्होंने कई हाई-प्रोफाइल और स्पेशल ऑपरेशन्स को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और जटिल मामलों की उत्कृष्ट, सटीक व समयबद्ध जांच कर राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती प्रदान की।

**निष्ठा, साहस और कर्तव्यपरायणता की मिली राष्ट्रीय पहचान**

उनकी असाधारण कार्यशैली, अटूट निष्ठा और अदम्य साहस को रेखांकित करते हुए केंद्र सरकार ने उन्हें केंद्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक से अलंकृत किया है। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत परिश्रम का प्रतीक है, बल्कि बीड जिले और महाराष्ट्र के लिए भी गर्व का विषय है।

### राज्यभर 1 से 31 जनवरी तक 'सड़क सुरक्षा अभियान'

# केंद्र सरकार के निर्देशानुसार आयोजन; थीमः 'सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई।सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जान-माल की हानि को कम करने तथा नागरिकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, केंद्र सरकार के निर्देशानुसार राज्यभर में 1 से 31 जनवरी 2026 के दौरान राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह मनाया जाएगा। इस अवसर पर पूरे राज्य में विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इस सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत परिवहन विभाग, यातायात पुलिस विभाग, सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग सहित अन्य संबंधित संस्थाओं और संगठनों के सहयोग से सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रचार, जनजागरूकता एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ संचालित की जाएँगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों, वाहन चालकों, विद्यार्थियों तथा सभी संबंधित हितधारकों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के मार्गदर्शन के अनुसार, इस अवधि में प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएँ, सेमिनार, वाहन चालकों एवं स्कूल विद्यार्थियों के लिए जागरूकता सत्र, नेत्र जांच शिविर तथा विभिन्न प्रचारात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इस वर्ष के राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की थीम 'सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा' है, जो यह संदेश देती है कि सड़क सुरक्षा का सीधा संबंध जीवन की रक्षा से है। परिवहन आयुक्त, मुंबई ने विश्वास व्यक्त किया कि यह राज्यव्यापी अभियान सड़क सुरक्षा नियमों के पालन को बढ़ावा देगा और दुर्घटनाओं की संख्या में कमी लाने में सहायक सिद्ध होगा।

# पश्चिम रेलवे द्वारा गुरूवार से ट्रेन सेवाओं के समय में परिवर्तन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यह परिवर्तन ट्रेन परिचालन को और अधिक सुचारू एवं यात्रियों की सुविधा को बेहतर करने के उद्देश्य से किया गया है

पश्चिम रेलवे 1 जनवरी, 2026 से समयपालनता में सुधार के उद्देश्य से दहानू रोड सेक्शन से आने-जाने वाली कुछ लोकल ट्रेन सेवाओं के साथ-साथ कुछ मेल/एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं के समय में परिवर्तन करेगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, समय परिवर्तन के कारण प्रभावित लोकल ट्रेन सेवाओं तथा मेल/एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं का विवरण संलग्न परिशिष्टों में दिया गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए लोकल ट्रेन सेवाओं का विवरण परिशिष्ट-1 (अप दिशा) एवं परिशिष्ट-2 (डाउन दिशा) में प्रदान किया गया है, जिसमें प्रभावित लोकल ट्रेन सेवाओं को विशेष रूप से दर्शाया गया है। समयपूर्व (प्रीपोन) की गई मेल/एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं की सूची अलग से परिशिष्ट-3 में दी गई है।

इस संबंध में विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त परिवर्तनों पर ध्यान दें तथा अपनी यात्रा की योजना उसी अनुसार बनाएं।

# पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर के बीच चलाएगी नॉनस्टॉप सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए बांद्रा टर्मिनस एवं जयपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराये पर नॉनस्टॉप सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09706/09705 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर नॉनस्टॉप सुपरफास्ट स्पेशल (16 फेरे)

ट्रेन संख्या 09706 बांद्रा टर्मिनस-जयपुर स्पेशल प्रत्येक सोमवार को 14:40 बजे बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 08:45 बजे जयपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 05 जनवरी, 2026 से 23 फरवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09705 जयपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक रविवार को 18:40 बजे जयपुर से प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 11:20 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 04 जनवरी, 2026 से 22 फरवरी, 2026 तक चलेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, एसी-3 टियर (इकोनॉमी) एवं स्लीपर क्लास कोच होंगे।

ट्रेन संख्या 09706 की बुकिंग 31 दिसम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों एवं आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय एवं संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

# सीटों पर 'धोखा': रामदास अठावले बोले- बीजेपी ने किया विश्वासघात, अकेले लड़ेंगे बीएमसी चुनाव

दिव्यांश
मुंबई(संवाददाता)

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के प्रमुख रामदास अठावले ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान उनकी पार्टी को दरकिनार करने का आरोप लगाया। मुंबई में आरपीआई की राजनीतिक ताकत पर प्रकाश डालते हुए, अठावले ने कहा कि भाजपा और शिवसेना के पुनर्मिलन ने उनकी पार्टी की संभावनाओं को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है, और कहा कि आरपीआई को सीट बंटवारे की चर्चाओं में शामिल तक नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी को बहुत देर से सूचित किया गया कि उसे केवल छह सीटें आवंटित की गई हैं।

अठावले ने एएनआई को बताया कि भाजपा और शिवसेना के गठबंधन ने आरपीआई को टिकट देने में समस्या पैदा कर दी है। रिपब्लिकन पार्टी मुंबई में एक बहुत मजबूत पार्टी है... लेकिन भाजपा ने हमें नजरअंदाज कर दिया है... चर्चाओं के दौरान हमें एक बार भी नहीं बुलाया गया। अगर आरपीआई



को भाजपा-शिवसेना की चर्चाओं में बुलाया गया होता, तो हमें कुछ सीटें आवंटित की जा सकती थीं... कल रात 2 बजे हमें बताया गया कि हमें छह सीटें दी गई हैं।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आरपीआई ने भाजपा को 26 सीटों की सूची सौंपी थी और उसे 14 से 15 सीटों के आवंटन की उम्मीद थी। उन्होंने इस परिणाम को 'धोखा' करार दिया और घोषणा की कि आरपीआई मुंबई में 28 सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी और अपने चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करेगी।

अठावले ने यह भी बताया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनसे संपर्क कर आरपीआई को छह सीटें आवंटित किए जाने की जानकारी दी थी। हालांकि, अठावले ने कहा कि ये सीटें उनकी पार्टी द्वारा अनुरोधित सीटों में शामिल नहीं थीं और आरपीआई के इन निर्वाचन क्षेत्रों में कोई उम्मीदवार नहीं थे।

उन्होंने कहा कि हमने जो 26 सीटों की सूची दी थी, उनमें से हमें उम्मीद थी कि 14-15 सीटें आरपीआई को मिलेंगी... यह भाजपा का घोर विश्वासघात है। इसीलिए हम मुंबई की 28 सीटों पर आरपीआई के चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आज मुझे फोन किया और बताया कि उन्होंने आरपीआई को छह सीटें दे दी हैं। लेकिन हमने उनसे कहा कि ये वो सीटें हैं जिनकी हमने मांग नहीं की थी। वहां हमारे उम्मीदवार नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे उम्मीदवार हैं, इसलिए ये आपके उम्मीदवार हैं। चुनाव चिन्ह भी आपका ही होगा'। मतभेद के बावजूद, आरपीआई प्रमुख ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी महायुति गठबंधन को समर्थन देना जारी रखेगी।

# गैंगस्टर से नेता बने अरुण गवली की दोनों बेटियों की एंट्री, बायकुला से ठोकी दावेदारी

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। मुंबई में अगले साल 15 जनवरी से होने वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव को लेकर सियासी गर्माहट तेज है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। इसी बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है कि चुनाव से पहले गवली परिवार ने जोरदार एंट्री की है। गैंगस्टर से नेता बने अरुण गवली की बेटियां गीता और योगिता गवली ने वार्ड से नामांकन दाखिल किया। गीता गवली वार्ड 212 और योगिता वार्ड 207 से चुनाव लड़ रही हैं।

नामांकन दाखिल करने के बाद योगिता गवली ने कहा कि उनके वार्ड के लोगों की साफ पानी, ड्रेनेज और कचरा प्रबंधन जैसी बुनियादी जरूरतें उनकी प्राथमिकता हैं। इसके अलावा वह शिक्षा, सुरक्षा और महिलाओं के रोजगार के मुद्दों पर भी काम करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि लोगों का भरोसा फिर से लौटता दिख रहा है। हमें ऐसा काम करना है जिससे हम उनकी उम्मीदों पर खरे उतरें।

**निवासियों के पुनर्विकास पर है गीता का फोकस**

दूसरी ओर गीता गवली ने कहा कि उनका मुख्य फोकस वार्ड के निवासियों के पुनर्विकास और अधूरी परियोजनाओं को पूरा करना है। उन्होंने बताया कि पिछले तीन साल में चुनाव नहीं होने और फंड की कमी के कारण कई काम रुके हुए थे। उन्होंने कहा कि अधूरी योजनाओं को अगले पांच साल में पूरा करना हमारी प्राथमिकता होगी। सड़कों और भवनों के पुनर्विकास के कामों में अब हम फंड का सही इस्तेमाल करेंगे। बता दें कि गीता और योगिता ने अपने पिता अरुण गवली की मौजूदगी में अखिल भारतीय सेना (एबीएस) के उम्मीदवार के रूप में नामांकन भरा। गीता पहले 2017 में कॉरपोरेटर रह चुकी हैं, जबकि योगिता इस बार चुनाव में पहली बार हिस्सा ले रही हैं।

**कैसा है सियासी गठबंधनों का हाल?**

वहीं अब बात अगर इस बीएमसी चुनाव में सियासी गठबंधन की करें तो महायुति ने सीट शेयरिंग तय की है। भाजपा 137 सीटों पर और शिवसेना 90 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) 62 सीटों पर चुनावी मैदान में है। एनसीपी ने भी सात वार्डों के उम्मीदवारों की सूची जारी की है और दूसरे चरण में 27 और उम्मीदवारों के नाम की घोषणा की गई। गौरतलब है कि मुंबई के 227 वार्डों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा और मतगणना 16 जनवरी को होना है।

# पुणे नगर निगम चुनाव से पहले अजित पवार से मिले रविंद्र धंगेकर, एनसीपी में शामिल होने की चर्चा

पुणे। शिवसेना नेता रविंद्र धंगेकर ने पुणे नगर निगम चुनाव से पहले एनसीपी नेता अजित पवार से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद धंगेकर के एनसीपी में जाने की चर्चाएं शुरू हो गईं। हालांकि धंगेकर ने इन दावों का खंडन कर दिया। अजित पवार से बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए धंगेकर ने कहा, 'पार्टी कार्यकर्ता अजित पवार से मिलना चाहते थे। गठबंधन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। गठबंधन पर चर्चा एकनाथ शिंदे करेंगे। वही फैसला करेंगे।'

**बेटे को टिकट न मिलने को लेकर नाराज बताए जा रहे धंगेकर**

धंगेकर ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना से की थी। बाद में वे राज ठाकरे के नक्शे कदम पर चलते हुए मनसे में शामिल हो गए। साल 2017 में उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया। हालांकि इस साल की शुरुआत में वे एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। धंगेकर पुणे नगर निगम में बेटे को टिकट न मिलने से नाराज बताए जा रहे हैं। जिसके चलते ही अजित पवार से उनकी मुलाकात को पार्टी बदलने के तौर पर देखा गया। हालांकि उन्होंने इन चर्चाओं को खारिज कर दिया।

**पिंपरी चिंचवाड़ के बाद पुणे में भी एनसीपी और एनसीपी एसपी का गठबंधन**

रविंद्र धंगेकर की अजित पवार से मुलाकात ऐसे समय हो रही है, जब पिंपरी चिंचवाड़ के बाद पुणे नगर निगम के लिए भी अजित पवार और शरद पवार की पार्टियों ने हाथ मिला लिया। एनसीपी एसपी के विधायक रोहित पवार ने सोमवार को यह जानकारी दी। पत्रकारों से बात करते हुए रोहित पवार ने कहा, दोनों पार्टियां अपने-अपने चुनाव चिन्हों पर चुनाव लड़ेंगी। दिलचस्प बात ये है कि एनसीपी के साथ गंठबंधन को लेकर एनसीपी एसपी के नेता शरद पवार बातचीत में शामिल नहीं हुए और उनकी बेटी सुप्रिया सुले ने पुणे में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

# नागपुर में शरद पवार के दल का कांग्रेस से गठबंधन नहीं, एनसीपी बोली- वे गठबंधन नहीं चाहते

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नागपुर। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दल, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने नागपुर नगर निगम चुनाव अलग-अलग लड़ने का निर्णय लिया है। शरद पवार के नेतृत्व वाले दल ने कांग्रेस पर गठबंधन धर्म का पालन न करने और उन्हें 15 सीटें भी न देने का आरोप लगाया है।

**क्या बोले एनसीपी नेता?**

नागपुर एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष दुनेश्वर पेठे ने मंगलवार को दावा किया कि सोमवार रात तक कांग्रेस नेताओं



के साथ बातचीत चल रही थी। उन्होंने कहा, 'बाद में कांग्रेस नेताओं ने हमारे फोन का उत्तर देना बंद कर दिया, जिससे पता चलता है कि वे गठबंधन नहीं करना चाहते हैं।

**कांग्रेस पर लगाए आरोप**

मामले को लेकर पेठे ने जानकारी दी कि उनकी पार्टी ने शुरू में 25 सीटों की मांग की थी, लेकिन अंत में वे 15 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए सहमत हो गए थे। इसके बावजूद, कांग्रेस ने उनकी इस मांग को अनदेखा कर दिया। एनसीपी (एसपी) नेता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, 'ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस भाजपा की सहायता करना चाहती है, इसलिए उन्होंने हमारे साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है।'

**क्या रहा है यहां का समीकरण?**

बता दें कि साल 2017 में 151 सदस्यीय नागपुर नगर निकाय के पिछले चुनाव में भाजपा ने 108, कांग्रेस ने 28, बहुजन समाज पार्टी ने दस, शिवसेना (अविभाजित) ने दो और एनसीपी (अविभाजित) ने एक सीट जीती थी। महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा और मतों की गिनती अगले दिन 16 तारिख को होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार है, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तिथि दो जनवरी है। प्रत्याशियों की अंतिम सूची तीन जनवरी को प्रकाशित की जाएगी।

**पश्चिम रेलवे**

पार्सल एसएलआर / वीपी के लीजिंग के अनुबंध के लिए ई-नीलामी

मुंबई डिवीजन से शुरू होने वाली ट्रेनों में पार्सल एसएलआर/वीपी को लीज पर देने के अनुबंध के लिए ई-नीलामी DRM(C)-BCT द्वारा आमंत्रित की गई है। कैटलॉग पहले ही ईंप्स वेबसाइट पर प्रकाशित किया जा चुका है, विवरण इस प्रकार हैं:-

| अनुबंध का प्रकारः पार्सल | अनुबंध अवधिः 3 वर्ष | श्रेणीः पार्सल एसएलआर |
|---|---|---|

| नीलामी कैटलॉग नंबर | लॉट नंबर | ई-नीलामी की तारीख और समय |
|---|---|---|
| एमएमसीटी-पीएलएस-26-01 | 02133-SLR-F1 BDTS-JBP-25-3 | लॉट के लिए ई-ऑक्शन 01.01.2026 को 12:00 बजे शुरू होगा। शुरुआती कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है। |
| | 02133-SLR-F2 BDTS-JBP-25-3 | |
| | 21903-SLR-F1 BDTS-BKN-25-2 | |
| | 21903-SLR-R1 BDTS-BKN-25 2 | |
| | 20907-SLR-F1 DDR-BHUJ-25 2 | |
| एमएमसीटी-पीएलएस-26-02 | 22444-SLR-F1 BDTS-CNB-25 1 | लॉट के लिए ई-ऑक्शन 01.01.2026 को 12:00 बजे शुरू होगा। शुरुआती कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है। |
| | 02133-SLR-R1 BDTS-JBP-25-4 | |
| एमएमसीटी-पीएलएस-26-03 | 22564-SLR-F1 UDN-JYG-25-1 | लॉट के लिए ई-ऑक्शन 01.01.2026 को 12:00 बजे शुरू होगा। शुरुआती कूलिंग पीरियड 30 मिनट का है। |
| | 12961-SLR-R1 MMCT-INDB 25-2 | |
| | 22913-SLR-R1 BDTS-SHC-24 1 | |

नोटः इच्छुक बोली लगाने वालों से अनुरोध है कि वे IREPS वेबसाइट www.ireps.gov.in पर पार्सल एसएलआर की लीजिंग के कॉन्ट्रैक्ट के लिए ई-ऑक्शन देखें। 0955

Like us on: facebook.com/WesternRly • Follow us on: X.com/WesternRly

# निगम चुनाव से पहले कांग्रेस गठबंधन पर संकट, सहयोगी वीबीए को 20 सीटों पर उम्मीदवार नहीं मिले

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई।मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए कांग्रेस और वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) के बीच बहुचर्चित गठबंधन को जमीनी हकीकत का सामना करना पड़ा है। प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली वीबीए के पास उसे आवंटित 62 सीटों में से 20 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार ही नहीं हैं। 15 जनवरी को होने वाले चुनावों के लिए नामांकन दाखिल करने की समय सीमा मंगलवार को खत्म होने वाला है।

चुनावी रणनीति पर उठे सवाल

वीबीए के इस खुलासे के बाद कांग्रेस को अपनी चुनावी रणनीति पर फिर से काम करना पड़ सकता है। 227 सदस्यीय बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए रविवार को कांग्रेस और वीबीए के बीच 143-62 सीटों के बंटवारे की घोषणा की गई थी। इसके अलावा राष्ट्रीय समाज पक्ष और आरपीआई (गवई) गुट को कुछ सीटे देने का निर्णय लिया गया था।

क्या बोले कांग्रेस नेता?

एक कांग्रेस नेता ने बताया कि वीबीए ने कांग्रेस को सूचित किया है कि उनके पास 20 सीटों पर उम्मीदवार नहीं हैं और उन्होंने वे सीटें वापस कर दी हैं। इस घटनाक्रम पर शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें 20 चुनाव क्षेत्रों में कांग्रेस के मतदाताओं के प्रति सहानुभूति है।बता दें कि वीबीए का मुंबई और महाराष्ट्र के

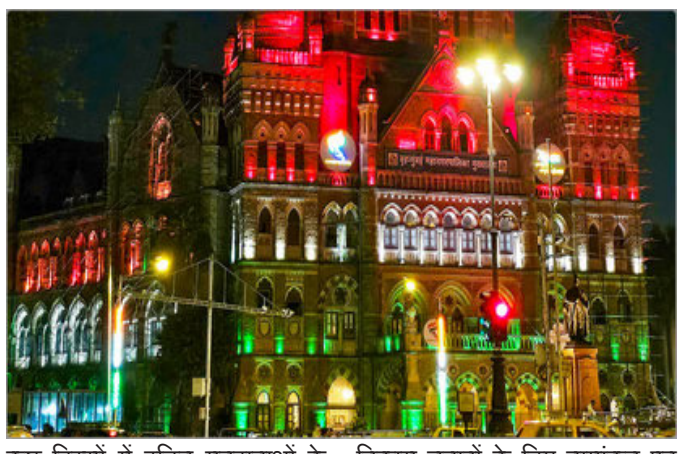

कुछ हिस्सों में दलित मतदाताओं के बीच प्रभाव माना जाता है। डॉ. बी. आर. अंबेडकर के पोते प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाला यह दल मुख्य रूप से नवबौद्ध मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ रखता है।

राज ठाकरे ने की उद्धव ठाकरे से मुलाकात

वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के प्रमुख राज ठाकरे ने मंगलवार शाम को अपने सहयोगी और चचेरे भाई, शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे से मुलाकात की। यह बैठक अगले माह होने वाले नागरिक निकाय चुनावों के लिए नामांकन पत्र जमा करने की समय सीमा समाप्त होने के ठीक बाद हुई। राज ठाकरे ने बांद्रा स्थित उद्धव ठाकरे के निवास 'मातोश्री' में उनसे भेंट मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच इस मुलाकात को सीट बंटवारे में आखिरी मिनट की छोटी-मोटी दिक्कतों को सुलझाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

बता दे कि 227 सदस्यों वाले बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित 29 नागरिक निकायों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे और मतों की गणना अगले दिन की जाएगी। मंगलवार नामांकन पत्र जमा करने का अंतिम दिन था। एमएनएस और शिवसेना (यूबीटी) मुंबई और कई अन्य नगरों में गठबंधन के तहत चुनाव लड़ रहे हैं। मुंबई में, दोनों दलों ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के साथ गठबंधन किया है।

क्या है सीटों का समीकरण?

हालांकि अभी भी यह साफ नहीं है कि दोनों पार्टियां बीएमसी में कितने स्थानों पर चुनाव लड़ रही हैं, सूत्रों के अनुसार, शिवसेना (यूबीटी) 150 से ज्यादा जगहों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। वहीं, 11 जगहों पर शरद पवार के नेतृत्व वाली (एनसीपी) को दिए गए हैं, जबकि बाकी सीटे एमएनएस को मिलेंगी। गौरतलब है कि शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस ने पिछले सप्ताह ही मुंबई निकाय चुनावों के लिए चुनाव पूर्व गठबंधन की घोषणा की थी। दूसरी ओर, सत्ताधारी सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना बीएमसी चुनावों में क्रमशः 137 और 90 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी।

(सातवां दिवस - श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ)

# सनातन धर्म केवल कर्मकाण्ड नहीं, जीवन का व्यवहार है - शंकराचार्य स्वामी नारायणंद तीर्थ

मुंबई, कांदिवली (पूर्व) । कांदिवली (पूर्व) स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान में श्री नारायण सेवा समिति, मुंबई के तत्वावधान में चल रहे श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ के सातवें पावन दिवस में आज भक्तों ने धर्म का वास्तविक स्वरूप एवं भागवत में प्रतिपादित धर्म-तत्त्व को विस्तारपूर्वक आत्मसात किया।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने प्रवचन में कहा कि भागवत केवल कथा नहीं, जीवन को दिशा देने वाला व्यवहारिक शास्त्र है। उन्होंने 'धारणात् धर्मः' का अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा– जिसे मनुष्य धारण करे और जो मनुष्य को उन्नति की ओर धारण कर ले वही धर्म है। धर्म केवल कर्मकाण्डों के बाह्य रूप तक सीमित नहीं, बल्कि सत्य, शुचिता, क्षमा, दया, करुणा, दान, त्याग, दम, स्वाध्याय और ईश्वरभक्ति जैसे आचरण योग्य गुणों का जीवंत स्वरूप है।

उन्होंने कहा– 'सनातन धर्म की शक्ति अपार है। धर्म जब जीवन में उतरता है, तब मनुष्य का प्रत्येक कर्म ही पूजा और प्रत्येक श्वास ही साधना बन जाती है।'

स्वामीजी ने श्रीमद् भागवत के दिव्य प्रसंगों के माध्यम से धर्म का यथार्थ रूप समझाया।

ध्रुव से प्रेरणा मिलती है कि दृढ़ निश्चय और भक्ति से असंभव भी संभव हो सकता है।

प्रह्लाद का जीवन सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियाँ भी भक्त को हिला नहीं सकतीं।

कालीय नाग दमन अहंकार के विनाश और धर्म के प्रकाश का संदेश देता है।

गजेन्द्र मोक्ष बताता है कि अंतिम आश्रय केवल नारायण हैं, भक्त की पुकार व्यर्थ नहीं जाती।

शुकदेव-परिक्षित संवाद दर्शाता है कि अंतिम क्षण में भी श्रवण व ज्ञान मोक्ष का सेतु बन सकता है।

सम्पूर्ण कथा पंडाल घंटा-घड़ियाल, शंखनिनाद और 'श्रीमन्नारायणष्ठ श्रीमन्नारायणष्ठ' महामंत्र के संकीर्तन से गूँज उठा। भक्ति-रस की धारा में हजारों भक्त सराबोर होकर भावविभोर हो उठे। वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा, प्रभु-चेतना और दिव्यता की साक्षात अनुभूति होती रही।

स्वामीजी ने अंत में कहा कि जहाँ धर्म हो, वहाँ समाज में समरसता, नैतिकता, प्रेम और शांति का निवास होता है। धर्म पुस्तकों तक सीमित न रहे–वह तन-मन-वचन और कर्म में उतरकर आचरण बने, यही श्रीमद् भागवत का संदेश है।

**प्रो. दयानंद तिवारी**
**प्रवक्ता - काशी धर्म पीठ**
**मो.: 99871 23330**

## जैगड बंदरगाह से काजू निर्यात की प्रक्रिया को तेज़ी से पूरा करें-मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री नितेश राणे

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। मत्स्य पालन और बंदरगाह मंत्री नितेश राणे ने रत्नागिरी जिले के जैगड बंदरगाह से काजू और अन्य कृषि उत्पादों के निर्यात की प्रक्रिया में तेज़ी लाने का निर्देश दिया है। वह मंत्रालय में आयोजित एक बैठक में इस बारे में बात कर रहे थे। इस बैठक में महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पी. प्रदीप, मत्स्य आयुक्त किशोर तावड़े, मित्रा के सलाहकार परशुराम पाटिल और वें ग्रुप के प्रतिनिधि शामिल हुए।

मंत्री राणे ने कहा कि विभाग निर्यात प्रक्रिया शुरू करने के लिए सभी ज़रूरी सहायता देगा और यह प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी होनी चाहिए ताकि कोंकण के उत्पादों का निर्यात आसानी से और तेज़ी से हो सके। बंदरगाह को जोड़ने के लिए कोल्हापुर-वैभववाड़ी रेलवे लाइन का काम तेज़ी से किया जा रहा है। प्रोडक्ट टेस्टिंग लैब 15 जनवरी तक शुरू हो जानी चाहिए। सभी सिस्टम को इस सीज़न में जैगड बंदरगाह से काजू के निर्यात के लिए तैयार रहना चाहिए। मंत्री राणे ने यह भी कहा कि उत्पादकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए एक वर्कशॉप आयोजित की जानी चाहिए।

## दिव्यांग छात्रों की शैक्षिक निरंतरता के लिए नई कार्यप्रणाली

# अतिरिक्त कर्मचारियों का एडजस्टमेंट समय पर और पारदर्शी तरीके से किया जाएगा - सचिव तुकाराम मुंडे

## दिव्यांगों के लिए विशेष स्कूलों में अतिरिक्त शिक्षक और कर्मचारी

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। राज्य में दिव्यांगों के लिए विशेष स्कूलों और वर्कशॉप में रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट रद्द होने, रिन्यूअल न होने और आवंटन के बाद छात्रों की संख्या में कमी के कारण अतिरिक्त हुए शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के एडजस्टमेंट के लिए एक व्यापक और एकीकृत प्रक्रिया तय की गई है, यह जानकारी दिव्यांग कल्याण विभाग के सचिव तुकाराम मुंडे ने दी।

सचिव मुंडे ने कहा, पहले, विभिन्न सरकारी फैसलों, सर्कुलर और स्कूल कोड में प्रावधानों के बिखरे हुए स्वरूप के कारण, एडजस्टमेंट प्रक्रिया में देरी हो रही थी और इस वजह से कोर्ट केस बढ़ रहे थे। इसे ध्यान में रखते हुए, कमिश्नर, दिव्यांग कल्याण के नियंत्रण में काम करने वाले अतिरिक्त कैडर सेल के माध्यम से एडजस्टमेंट प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने का फैसला किया गया है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि दिव्यांग छात्रों की शिक्षा में कोई रुकावट न आए, एडजस्टमेंट के लिए एक समय-सीमा वाली प्रक्रिया तय की गई है। सचिव मुंडे ने स्पष्ट किया है कि इस फैसले से एडजस्टमेंट प्रक्रिया अधिक पारदर्शी होगी और शैक्षिक निरंतरता बनी रहेगी।

अगर किसी सरकारी मान्यता प्राप्त निजी सहायता प्राप्त विशेष स्कूल या वर्कशॉप की मान्यता रद्द होने के बाद अपील पर कोई रोक नहीं लगती है, तो कमिश्नर तुरंत दिव्यांगों के कल्याण से संबंधित गतिविधियों को बंद कर देंगे। ऐसे मामले में, अतिरिक्त शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों को उनके स्थायी एडजस्टमेंट तक अस्थायी रूप से समान गतिविधियों में ट्रांसफर किया जाएगा। इसके लिए, आस-पास के स्कूलों की क्षमता अस्थायी रूप से बढ़ाई जाएगी।

स्कूल कोड के अनुसार, हर साल 15 अक्टूबर तक छात्र प्लेसमेंट प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है, और प्लेसमेंट के बाद अतिरिक्त कर्मचारियों की सूची नवंबर के पहले सप्ताह में और उसके बाद हर महीने वेबसाइट पर प्रकाशित की जाएगी। सचिव मुंडे ने कहा कि अतिरिक्त कर्मचारियों का एडजस्टमेंट एक महीने के भीतर पूरा करना आवश्यक है।

सचिव मुंडे ने कहा, एडजस्टमेंट संबंधित जिले में किया जाएगा, अन्यथा आस-पास या अन्य जिलों में किया जाएगा। आवश्यक शैक्षणिक योग्यता वाले कर्मचारियों को समान वेतनमान में समकक्ष पदों पर नियुक्त किया जाएगा, और पहले दिव्यांग कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाएगी। यदि वे आदेश के बाद निर्धारित समय सीमा के भीतर ज्वाइन नहीं करते हैं, तो अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। जब अतिरिक्त कर्मचारी उपलब्ध होंगे तो नई भर्ती को मंजूरी नहीं दी जाएगी। दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के तहत एडजस्ट करने या आपसी भर्ती में शामिल होने से मना करने वाले संगठनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सचिव मुंडे ने कहा कि जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला कलेक्टर (मुंबई शहर और मुंबई उपनगर) और आयुक्त, दिव्यांग कल्याण, पुणे, निर्धारित समय सीमा के भीतर दिव्यांग कल्याण विभाग के नियंत्रण वाले विशेष स्कूलों और वर्कशॉप में अतिरिक्त कर्मचारियों को एडजस्ट करने के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे।

इस संबंध में सरकारी फैसला दिव्यांग कल्याण विभाग द्वारा जारी किया गया है और यह महाराष्ट्र सरकार की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

# पश्चिमी रेलवे के वडोदरा डिवीजन पर गुरूवार से ट्रेनों का नया टाइमटेबल लागू किया जा रहा

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

ट्रेन संचालन में समय की पाबंदी को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर रीशेड्यूलिंग की गई है, जिसके तहत कुल 77 ट्रेनों का समय विभिन्न स्टेशनों पर पहले किया गया है, जिससे ये ट्रेनें अपने वर्तमान निर्धारित समय से 1 मिनट से 15 मिनट पहले पहुंचेंगी, जबकि 23 ट्रेनों का समय आगे बढ़ाया गया है और ये अपने मौजूदा समय से 2 मिनट से 40 मिनट बाद पहुंचेंगी। इस बदलाव के तहत नाडियाड, आनंद, भरूच, अंकलेश्वर, गोधरा, छायापुरी, एकतानगर तथा वडोदरा सहित वडोदरा डिवीजन के अन्य स्टेशनों पर कई ट्रेनों के आगमन एवं प्रस्थान समय में संशोधन किया गया है, जिसके कारण कुछ ट्रेनें पहले तो कुछ बाद में चलेंगी। इनमें 69172 भरूच-सूरत मेमू, 22930 वडोदरा-दहानू रोड सुपरफास्ट, 69112 वडोदरा-सूरत मेमू, 69122 गोधरा-वडोदरा मेमू तथा 69104 आनंद-वडोदरा मेमू ट्रेनों को 5 मिनट पहले किया गया है, यानी अब ये अपने प्रारंभिक स्टेशनों से 5 मिनट पहले रवाना होंगी। यात्रियों

की मांग को ध्यान में रखते हुए अलीराजपुर-प्रतापनगर मेमू ट्रेन को भी 15 मिनट पहले किया गया है और यह अब अलीराजपुर स्टेशन से 17.30 बजे के स्थान पर 17.15 बजे प्रस्थान करेगी। वडोदरा स्टेशन से आने-जाने वाली 23 ट्रेनों का समय पहले किया गया है, जिससे ये ट्रेनें अपने मौजूदा निर्धारित समय से 5 से 15 मिनट पहले वडोदरा स्टेशन पर पहुंचेंगी, वहीं 7 ट्रेनों का समय आगे बढ़ाया गया है और ये ट्रेनें अपने वर्तमान समय से 5 से 12 मिनट बाद वडोदरा स्टेशन से रवाना होंगी। एकतानगर स्टेशन से आने-जाने वाली 2 ट्रेनों को पहले किया गया है, जिनमें 20950 एकतानगर-अहमदाबाद जनशताब्दी एक्सप्रेस और 09410 एकतानगर-अहमदाबाद स्टीम हेरिटेज स्पेशल शामिल हैं, जबकि 2 ट्रेनों को पोस्टपोन किया गया है, जिनमें 20945 एकतानगर-हजरत निजामुद्दीन गुजरात संपर्क क्रांति एक्सप्रेस और 69206 एकतानगर-प्रतापनगर मेमू शामिल हैं। आनंद स्टेशन से संबंधित 18 ट्रेनों को 5 से 7 मिनट पहले किया गया है, जबकि 4 ट्रेनों को 12 मिनट बाद के लिए पोस्टपोन किया गया है। नाडियाड स्टेशन पर 14 ट्रेनें 5 से 10 मिनट पहले पहुंचेंगी और 2 ट्रेनें 2 मिनट बाद रवाना होंगी। गोधरा स्टेशन से जुड़ी 4 ट्रेनों को पोस्टपोन किया गया है। भरूच स्टेशन से संबंधित 15 ट्रेनों को 5 से 7 मिनट पहले किया गया है, अंकलेश्वर स्टेशन पर 5 ट्रेनों को 5 से 7 मिनट पहले किया गया है, जबकि छायापुरी स्टेशन से संबंधित 3 ट्रेनों को 2 मिनट बाद के लिए पोस्टपोन किया गया है। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा से पूर्व संशोधित समय-सारिणी की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें।

# मानगांव, ताला और म्हसाला के आदिवासी लाभार्थियों के लिए तुरंत घर के लिए प्रस्ताव जमा करें - मंत्री अदिति तटकरे

**मुंबई(संवाददाता)**

मंत्र न्यूज

मुंबई। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने मानगांव, ताला और म्हसाला नगर पंचायत क्षेत्रों में आदिवासी आवास योजना (शहरी) के तहत अनुसूचित जनजाति के योग्य लाभार्थियों को घर मंजूर करने और फंड देने के लिए तुरंत प्रस्ताव जमा करने का निर्देश दिया है।

मानगांव, ताला और म्हसाला नगर पंचायत क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के योग्य लाभार्थियों को घर मंजूर करने के संबंध में मंत्रालय में एक बैठक आयोजित की गई।

मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में आवास से वंचित अनुसूचित जनजाति के कुल 154 घरों, मानगांव नगर पंचायत में 45, ताला में 69 और म्हसाला (जिला रायगढ़) में 40 घरों की मंजूरी के लिए प्रस्ताव जमा किए जाने चाहिए। इन घरों के साथ-साथ योग्य लाभार्थियों के लिए फंड की

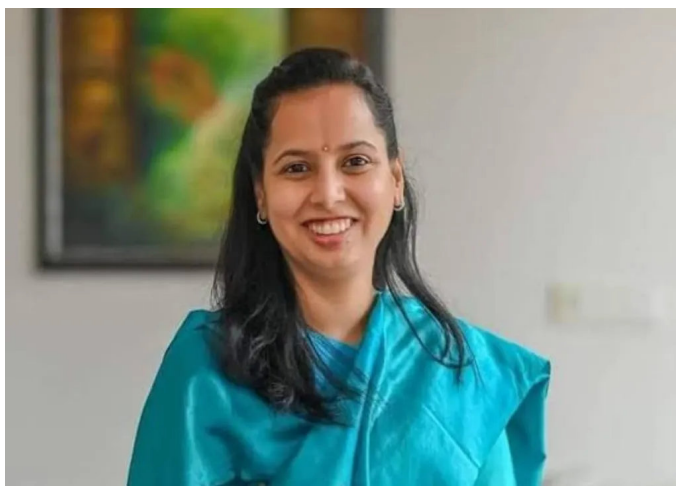

मंजूरी के लिए भी समय सीमा के भीतर कार्रवाई की जानी चाहिए।

हर लाभार्थी को 2.50 लाख रुपये की आवास सब्सिडी देने का प्रस्ताव है। इन प्रस्तावों पर विचार किया जाना चाहिए और योजना का लाभ योग्य लाभार्थियों को प्रदान किया जाना चाहिए। इस योजना के कारण, शहरी क्षेत्रों में आदिवासी परिवारों को सुरक्षित आश्रय का लाभ मिलेगा।

बैठक में आदिवासी विभाग के संयुक्त सचिव मच्छिंद्र शेल्के, अतिरिक्त आयुक्त गोपीचंद कदम, लोअर तहसीलदार स्वाति पाटिल, मानगांव उप महापौर रिया उबारे, आनंद यादव, लक्ष्मी जाधव, दिलीप जाधव, एडवोकेट उत्तम जाधव, नाना भुवाद, जगदीश शिंदे, नागेश लोखंडे, किशोर शिंदे, परशुराम कदम, अलीम पल्लवकर, लक्ष्मण हिलम, विजय तांबे, शाहिद उके आदि उपस्थित थे।

# उत्तर भारतीय वोट बैंक के लिए सपा ने चली बड़ी चाल, क्या बीजेपी की बढ़ेगी टेंशन?

मुंबई । मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने बड़ा दांव खेल दिया है. सपा ने ये सियासी चाल उत्तर भारतीय वोट बैंक को लेकर चली है। पार्टी का कहना है कि इस चुनाव में बीजेपी ने जिन उत्तर भारतीय प्रत्याशियों के टिकट काटे हैं, अगर वो निर्दलीय चुनाव लड़ते हैं तो सपा उन्हें समर्थन देगी। हालांकि इसमें एक शर्त ये है कि सपा वहीं समर्थन देगी जहां उसकी पार्टी का कोई उम्मीदवार नहीं है।

महाराष्ट्र सपा अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है. इसमें आजमी ने लिखा, मुंबई महानगरपालिका चुनाव में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जिन उत्तर भारतीय प्रत्याशियों के टिकट काटे गए हैं, ऐसी सीटों पर जहां समाजवादी पार्टी का कोई उम्मीदवार नहीं है, अगर वो निर्दलीय रूप से नामांकन भरते हैं तो समाजवादी पार्टी उन्हें पूरा समर्थन करेगी।

**महायुति में बड़ा उथल-पुथल**

उधर, बीएमसी चुनावों के बीच महायुति गठबंधन में बड़ा उथल-पुथल देखने को मिल रहा है. केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया ने बीजेपी और शिंदे गुट की शिवसेना पर सीट बंटवारे को लेकर 'धोखा' देने का आरोप लगाते हुए स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

**अठावले इस बात पर नाराज**

अठावले ने महायुति की दुर्भावना का हवाला देते हुए पार्टी के 39 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की है. दरअसल,गठबंधन ने बीजेपी को 137 और शिंदे की पार्टी को 90 सीटें देने के समझौते का ऐलान किया है. अठावले ने इस बात पर नाराजगी जताई कि उनकी पार्टी को इसमें जगह नहीं मिली।

**अठावले ने क्या कहा?**

उन्होंने कहा कि बीजेपी ने देर रात केवल 7 सीटों का प्रस्ताव रखा था लेकिन अब नए स्थानों पर सही समय पर उम्मीदवार उतारना असंभव है. रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बीजेपी के कोटे से सीटें देने का निर्देश दिया था लेकिन नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि नजदीक आने के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया गया।

## सम्पादकीय

### पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल, पुडुचेरी विधानसभा चुनावों में कौन मारेगा बाजी?

साल 2025 भारतीय राजनीति में सत्ताधारी एनडीए के लिये विजय का वर्ष रहा। दिल्ली और बिहार में मिली निर्णायक जीत ने भारतीय जनता पार्टी के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया। दूसरी ओर विपक्ष के लिये यह साल निराशा, विघटन और हताशा का प्रतीक बन गया। दिल्ली में अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पराजित हुई और बिहार में कांग्रेस, राजद और वाम दलों का महागठबंधन लगभग साफ हो गया। लेकिन राजनीति में स्थायी कुछ नहीं होता। 2026 एक नये युद्ध का वर्ष है जहां सत्ता की जड़ें हिलाने के लिए विपक्ष फिर से प्रयास करेगा।

हम आपको बता दें कि पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। मार्च से मई 2026 के बीच होने वाले इन चुनावों के लिये सभी दल अभी से तलवारें निकाल चुके हैं। अभी से नेताओं के भाषणों में आग है, रणनीतियों में धार है और हर कदम सत्ता की लालसा से भरा हुआ है।

सबसे पहले पश्चिम बंगाल की बात करें तो आपको बता दें कि राज्य में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस एक मजबूत किले की तरह खड़ी है, लेकिन इस किले की दीवारों पर अब लगातार भगवा हमले हो रहे हैं। 2016 में मात्र तीन सीटों पर सिमटी भाजपा 2021 में 77 सीटों तक पहुंच गयी। यह उछाल संयोग था या स्थायी चुनौती, इसका फैसला 2026 करेगा। ममता बनर्जी 213 सीटों और लगभग आधे वोट प्रतिशत के साथ सत्ता में हैं, लेकिन सत्ता का बोझ भारी होता है। महंगाई, बेरोजगारी और स्थानीय असंतोष अब उनके सामने खड़े बड़े सवाल हैं। भाजपा पूरी ताकत से मैदान में उतर चुकी है और बिहार की जीत के बाद उसका हौसला दोगुना है। वहीं कांग्रेस और वाम दल अपनी खोई हुई जमीन तलाश रहे हैं, लेकिन उनका संकट यह है कि जनता अब उन्हें गंभीर विकल्प मानने को तैयार नहीं है। विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत मतदाता सूचियों में हो रहे बदलाव ने बंगाल की राजनीति में आग और घी का काम किया है। अल्पसंख्यक और शहरी क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तन चुनावी गणित को पूरी तरह पलट सकते हैं।

वहीं तमिलनाडु की बात करें तो राज्य हमेशा से द्रविड राजनीति का गढ़ रहा है। द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच सत्ता की रस्साकशी अब एक बार फिर चरम पर है। मुख्यमंत्री स्टालिन के नेतृत्व में द्रमुक मजबूत स्थिति में है, लेकिन सत्ता विरोधी लहर की आहट साफ सुनाई दे रही है। रोजगार, नीट, बिजली दरें और प्रशासनिक अपेक्षाएं सरकार के लिये अग्निपरीक्षा हैं। अन्नाद्रमुक और भाजपा का गठबंधन इस बार ज्यादा संगठित दिख रहा है। अन्नाद्रमुक महासचिव पलानीसामी का दावा है कि यह मोर्चा 200 से अधिक सीटें जीत सकता है। लेकिन इस गणित को सबसे ज्यादा बिगाड़ने वाला नाम है विजय। उनकी पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम पहली बार मैदान में है और युवा वर्ग में उसका असर नकारा नहीं जा सकता। हालांकि करूर की भगदड़ की घटना ने विजय की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है।

वहीं असम को देखें तो राज्य में मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा भाजपा के सबसे आक्रामक चेहरों में गिने जाते हैं। 2021 में 75 सीटें जीतने के बावजूद सत्ता विरोधी भावना अब उभर रही है। सरमा का दावा है कि एनडीए 100 से अधिक सीटें जीतेगा, लेकिन राजनीति में दावे अक्सर जमीनी सच्चाई से टकराते हैं। कांग्रेस के लिये यह करो या मरो की लड़ाई है। नये प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई के सामने चुनौती है कि वह लोकसभा चुनावों की सफलता को विधानसभा में बदल सकें। हालांकि दस साल की सत्ता के खिलाफ माहौल बनाना आसान नहीं, खासकर तब जब विपक्षी वोट विभाजित हों। एआईयूडीएफ का रुख यहां निर्णायक साबित हो सकता है।

उधर, केरल की राजनीति हमेशा सत्ता परिवर्तन के लिये जानी जाती रही है, लेकिन वाम मोर्चा इस परंपरा को तोड़ चुका है। अब तीसरी बार सत्ता में लौटने का सपना देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री पिनराई विजयन विकास और निरंतरता के नाम पर जनता से समर्थन मांग रहे हैं। वहीं कांग्रेस नीत मोर्चे के लिये यह अस्तित्व की लड़ाई है। यदि इस बार भी नाकामी हाथ लगी तो केरल में कांग्रेस और कमजोर हो जायेगी। भाजपा के लिये भी यह चुनाव अहम है। यदि एक भी सीट वह जीतती है तो केरल की राजनीति में नया अध्याय शुरू होगा। इस बीच, पुडुचेरी में एनडीए की सरकार अंदरूनी कलह से जूझ रही है। मंत्री का इस्तीफा, दलित असंतोष और गठबंधन की कमजोरी सत्ता को अस्थिर बना रही है। द्रमुक यहां अपनी जड़ें फैलाने की कोशिश में है और कांग्रेस केवल इतना चाहती है कि उसका नाम प्रदेश की राजनीति से न मिटे।

# सिडनी हमले से विश्व में और बढ़ेंगी मुसलमानों की मुसीबतें

मुस्लिम आतंकियों के हमलों और कट्टरपंथ सोच के कारण विश्व के कई देशों में भारी विरोध का सामना कर रहे मुस्लिमों की मुसीबतें आस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए आतंकी हमले के बाद और बढ़ेंगी। ऑस्ट्रेलिया में जिस तरह से हनुक्का का त्यौहार मना रहे यहूदियों पर चरमपंथी आतंकवाद के नाम पर गोलियां चलाई गईं। ऐसे हमले पूर्व में युरोपीय और दूसरे देशों में हो चुके हैं। न्यू ऑरलियन्स (यूएसए) में जनवरी 1, 2025 को एक व्यक्ति ने ट्रक को पैदल चल रहे लोगों पर चढ़ा दिया और फिर पुलिस से गोलीबारी की। अमरीकी संघीय जांच एजेंसी के मुताबिक यह हमला वैश्विक इस्लामिक आतंकी संगठन आईएसआईएस की प्रेरणा से हुआ था।

इसी तरह फरवरी 22, 2025 को मुलहौज (फ्रांस) एक व्यक्ति ने बाजार में चाकू और पेचकस से हमला किया, जिसमें 1 व्यक्ति मारा गया और कई घायल हुए। फ्रांसीसी अधिकारियों ने इसे इस्लामिक चरमपंथ से प्रेरित बताया था। भारत के पहलगाम में हुआ हमला भी इस्लामिक चरमपंथी आतंकवाद का ही उदाहरण था। यहां 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने लोगों से उनके धर्म पूछ-पूछकर उन्हें गोली मारी और सीधा प्रधानमंत्री का नाम लेकर चुनौती दे रहे थे। इस समय यूरोप और पश्चिमी देशों ने निंदा तो की थी लेकिन इस्लामिक आतंकवाद का नाम नहीं लिया था। हालांकि अब यूरोप और अन्य पश्चिमी देशों लोन वुल्फ हमले बढ़ रहे हैं, तो उन्हें ये दर्द समझ आ रहा है।

यूरोप में (रूस को छोड़कर), 1979 से अब तक 209 हमले हुए हैं और 802 लोगों की मौत हुई है। इसी अवधि में सबसे बुरी तरह प्रभावित यूरोपीय देश फ्रांस में 85 इस्लामी आतंकवादी हमले हुए हैं, जिनमें 334 लोगों की मौत हुई है।

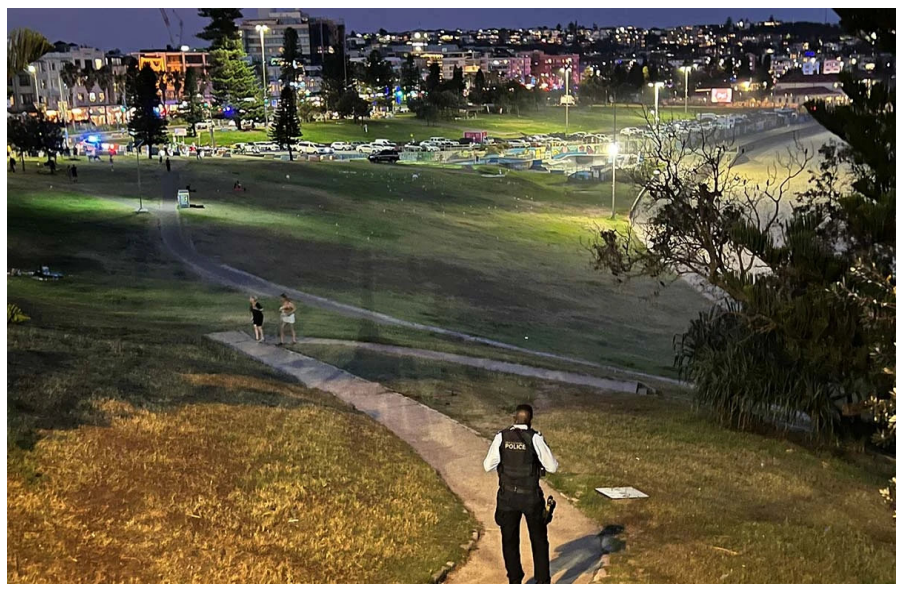

फ्रांस के अलावा, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, बोस्निया-हर्जेगोविना, बुल्गारिया, क्रोएशिया, साइप्रस, डेनमार्क, फिनलैंड, जर्मनी, ग्रीस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड और यूनाइटेड किंगडम भी प्रभावित हुए हैं। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स 2025 रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिमी देशों में घातक हमलों की संख्या 2017 के बाद सबसे अधिक दर्ज की गई। इनमें ज्यादातर लोन वुल्फ (अकेले) हमलावर ही थे। 7 अक्टूबर, 2024 का हमला और बॉन्डी बीच का हमला विशुद्ध तौर पर यहूदियों को निशाना बनाकर किया गया। ऐसे में यूरोप को समझ में आ गया है कि ये किसी एक-दो देश की नहीं बल्कि एक विचारधारा से नपिटने की लड़ाई है, जिसके लिए साथ आना ही होगा।

फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम जैसे देशों में इस्लामिक तत्व हर दूसरे दिन किसी ना किसी बात पर प्रतिकार या दंगे करने लगे हैं। फुटबॉल वर्ल्ड कप मोरक्को जीता तो दंगा हुआ पेरिस में, मोरक्को हारा तो पेरिस जला, जब फ्रांस फाइनल में हारा तब भी पेरिस में दंगे हुए। इंग्लैंड में भारत पाकिस्तान के क्रिकेट मैच के बाद प्रवासी भारतीयों पर स्थानीय मुस्लिमों ने हमले किये थे। जांच में यह भी सामने आया था कि अधिकाँश हमलावर और दंगाई इस्लामिक शरणार्थी थे। ऐसे में मेलबर्न से लेकर लंदन और सिडनी से लेकर पेरिस तक में प्रवासियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के कारण वहां की सरकारों को अब इन पर एक्शन लेने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

एक रिपोर्ट के अनुसार इन देशों हाई माइग्रेशन रेट के कारण स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लंदन की सड़कों पर लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने एंटी-इमिग्रेशन मार्च निकाला और इस्लाम और ब्रिटेन में बढ़ती प्रवासन समस्या का मुद्दा उठाया। ब्रिटेन में पिछले साल 29 जुलाई को एक्सेल ने साउथपोर्ट में चल रही एक डांस क्लास में घुस कर कई बच्चियों को बेरहमी से चाकू मार दिया था। हमलावर ने तीन बच्चियों की हत्या कर दी थी और 10 अन्य को घायल कर दिया था। इनमें ज्यादातर बच्चे थे। हमलावर मुस्लिम था। आरोपी एक्सेल के मां-बाप रवांडा से आए थे। घटना के बाद ब्रिटेन में बहुत बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन हुए थे।

ब्रिटेन में बढ़ती मुस्लिम आबादी भी एक बड़ा मुद्दा है। अनुमान है कि साल 2035 तक ब्रिटेन की कुल आबादी में 25इ मुस्लिम हो सकते हैं। ऐसे आतंकी हमलों और मुस्लिमों की बढ़ती आबादी के खिलाफ प्रदर्शनकारी ब्रिटेन में अवैध अप्रवासन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। इनकी मांग है कि अवैध अप्रवासियों को देश से बाहर किया जाए। इस साल 28 हजार से ज्यादा प्रवासी इंग्लिश चैनल के रास्ते नावों से ब्रिटेन पहुंचे हैं। प्रदर्शन में शामिल लोग अवैध अप्रवासियों को शरण दिए जाने के खिलाफ हैं। हाल ही में एक इथियोपियाई अप्रवासी ने 14 साल की लड़की का यौन उत्पीड़न किया था, जिसने लोगों के गुस्से को और बढ़ावा दिया है। सरकार और पुलिस पर आरोप कि वे अवैध आव्रजन पर नकेल कसने में असफल हैं।

मुस्लिम शरणार्थी युरोपीय देशों के लिए सिरदर्द बन गए हैं। गिड़गिड़ाते हुए लाचार हालत में शरण लेने आए शरणार्थी अब इस्लाम और शरिया लागू करने के लिए धरने-प्रदर्शन कर रहे हैं। जर्मनी के हैम्बर्ग में 2000 से अधिक मुसलमानों ने रैली निकाली। इस दौरान उन्होंने इस्लामवादी खिलाफत और शरिया कानून लागू करने की मांग की। रैली में शामिल भीड़ ने अल्लाहू अकबर का नारा भी लगाया। जर्मनी में बहुसंख्यक आबादी ईसाई है, जबकि मुसलमान अल्पसंख्यक हैं। इन मुसलमानों में सबसे ज्यादा वो थे, जो अफ्रीकी और एशियाई देशों से शरण मांगने के लिए जर्मनी पहुंचे थे। हालांकि, नागरिकता मिलते ही उनके तेवर बदल गए और अब मूल आबादी को दबाने की कोशिश कर रहे हैं।

इसी इस्लामिक आतंकवाद के दंश से व्यथित हो लगभग 13 लाख लोग यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे, यह दूसरे विश्व युद्ध के पश्चात सबसे बड़ी शरणार्थी समस्या थी। शुरुआत में शरण लेने वाले अधिकाँश सीरियाई थे, लेकिन बाद में बड़ी संख्या में अफगान, नाइजीरियाई, पाकिस्तानी, इराकी और इरिट्रिया, और बाल्कन के आर्थिक प्रवासी भी इस यूरोप में शरण लेने को विवश हुए थे। यूरोप में अब तक 78, 000 शरणार्थी और आप्रवासी आए हैं। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार उनमें से आधे से ज्यादा ग्रीस पहुंचे हैं। उनमें 40 प्रतिशत परिवार अफगानिस्तान से हैं जबकि 20 प्रतिशत सीरिया से हैं। यही वजह है कि इन देशों में चरमपंथी मुस्लिमों की हरकतों की वजह से पाबंदी लगाई जा रही हैं। दक्षिण-पूर्वी स्पेन के मर्सिया क्षेत्र के शहर जुमिला में लोकल काउंसिल ने ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा जैसे मुस्लिम त्योहारों को सिविक सेंटर्स और स्पोर्ट्स हॉल जैसी सार्वजनिक जगहों में मनाए जाने पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पारित किया।

कट्टर इस्लामिक तत्वों ने बेल्जियम और स्वीडन जैसे शांतिप्रिय देशों में माहौल खराब कर दिया है। मुसलमानों ने इन देशों में अतिरिक्त अधिकारों की मांग की, सड़कें जाम की, सड़कों पर नमाज पढ़ कर शक्ति प्रदर्शन किया। वहीं दूसरी और ऐसी घटनाओं से स्थानीय यूरोपीय नागरिकों के मन में असुरक्षा की भावना घर कर गयी। यह निश्चित है कि सिडनी में हुई आतंकी घटना के दूरगामी परिणाम भी बेकसूर मुसलमानों को भुगतने पड़ेंगे।

# अस्वीकृति के मायने, 'नहीं' वास्तव में किसी और चीज के लिए 'हां' है

आमतौर पर अस्वीकार किए जाने को कुछ लोग अपनी व्यक्तिगत विफलता के रूप में देखने लगते हैं। दरअसल, अस्वीकृति का एक स्वस्थ डर अधिकांश लोगों के अंदर रहता है, लेकिन कुछ को यह जकड़ लेता है। जबकि इसे कुछ अलग तरह से भी देखा-समझा जा सकता है। स्वीकारे जाने या सफलता के बजाय अस्वीकृति पर ध्यान केंद्रित होगा, तो काम करना बहुत आसान लगेगा। 'नहीं' वास्तव में किसी और चीज के लिए 'हां' है। हमको जितने 'हां' की जरूरत है, उतने पाने के लिए हमें बहुत सारे 'नहीं' कहने पड़ते हैं।

अस्वीकृति को असफलता के बजाय अवसर के रूप में देखना सीखने से जीवन के कई पहलुओं में अधिक संतुष्टि मिल सकती है। काम और व्यक्तिगत लक्ष्यों से लेकर मजबूत संबंधों तक। जैसा कि एक कहावत है, 'आप हर उस क्षण को याद करते हैं, जो आपसे छूट जाता है या फिर आप उसे गंवा देते हैं।' लेकिन चूके गए अवसर भी किसी को बेहतर निशाना लगाने में मदद कर सकते हैं। संभव है, उससे बेहतर अवसर उसे मिल जाए।

कायदा यह है कि अस्वीकृति से बचने के बजाय उससे निपटना सीखने की जरूरत है। अस्वीकृति के प्रति हमारा विरोध विकासवादी मनोविज्ञान में गहराई से निहित है। सामाजिक समूहों में खुद को सहज बना लेने से हमारा अस्तित्व सुनिश्चि होता है, इसलिए हमें सहज रूप से किसी भी ऐसे व्यवहार से बचना सीखना चाहिए, जो नकारात्मक सामाजिक प्रतिक्रिया का कारण बनता है।

अस्वीकृति भावनाओं के साथ-साथ हमारी 'लड़ो या भागो' प्रवृत्ति को भी संसाधित करती है। अगर कोई हमको नहीं कहता है, तो दोष यह नहीं है कि उन्हें लगता है कि हम बेकार हैं या उन्हें लगता है कि हम एक बुरे व्यक्ति हैं या पर्याप्त अच्छे नहीं हैं। इसके अलावा, कोई दूसरा आशय भी हो सकता है। हमें अपनी भावनाओं को प्रबंधित करना सीखना होगा, ताकि हम खुद को फिर से सामने ला सकें। सभी अस्वीकृतियां व्यक्तिगत नहीं होतीं। अस्वीकृति को विफलता के बजाय फिर से निर्देशित किए जाने की आवश्यकता के रूप में देखना चाहिए।

हम जितना अधिक अस्वीकृतियों से गुजरेंगे, यह उतना ही आसान होगा और आखिर हम उतना ही अधिक पाएंगे। जोखिम और यहां तक कि सीधे अस्वीकृति भी कई बार पुरस्कार प्राप्त करती है। कामयाब लोगों का इतिहास उठाकर देखा जा सकता है कि उनमें से अधिकतर को शुरुआती दौर में अस्वीकृति का सामना करना पड़ा है। लगभग हर प्रतिष्ठित लेखक को उनकी रचनाओं के आधार पर शुरुआती दौर में खारिज कर दिया गया था। इससे खुद को पीड़ित मानने या हार जाने पर तस्वीर कुछ

और होती, लेकिन उन्होंने उस अस्वीकृति को ढाल बना लिया।

लेखिका जेके रोलिंग की लिखी 'हैरी पाटर' को शुरुआती दौर में बारह प्रकाशकों ने सीधे-सीधे नकार दिया था। खिलाड़ी माइकल जार्डन को उनके हाई स्कूल की बास्केटबाल टीम से निकाल दिया गया था। पिछले साठ वर्षों में अधिकतर अमेरिकी राष्ट्रपति पहले किसी न किसी तरह से चुनाव हार चुके थे। मसलन, लिंडन बी जानसन, रिचर्ड निक्सन, जिमी कार्टर, बिल क्लिंटन, रोनाल्ड रीगन, जार्ज एच डब्ल्यू बुश, बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रंप। जाने-माने अभिनेता रहे सिल्वेस्टर स्टेलोन के मुताबिक, 'राकी' के लिए उनकी पटकथा और फिल्म का स्टार बनने की उनकी बोली को कई बार ठुकरा दिया गया था।

हालांकि अस्वीकार होना, खासकर अगर ऐसा बार-बार हो, तो कोई अच्छा अनुभव नहीं होता, लेकिन अपनी जीत-हार के अनुपात का हिसाब रखने के मायने यही है कि अस्वीकृति के बोझ तले हम दब गए हैं। शुरुआत में अस्वीकृतियां चुभती-सी महसूस होती हैं। ऐसा लगता है कि सिर्फ काम ही अस्वीकृत नहीं हो रहा, बल्कि एक व्यक्ति के रूप में भी हम अस्वीकृत हो रहे हैं।

मगर अस्वीकृति को दिल से लगाया जाए, तो वह आत्म-प्रताड़ना में बदल जाएगी। अस्वीकृति के कुछ तर्क हमेशा हमारे नियंत्रण से बाहर होते हैं। कुछ भी अस्वीकार किया जा सकता है और किसी भी कारण से। हम इसके बारे में लगभग कुछ नहीं कर सकते। अस्वीकृति शिक्षाप्रद हो सकती है, लेकिन केवल तभी, जब हम सुनें कि यह हमको क्या सिखाने की कोशिश कर रही है। अन्यथा हम शायद अस्वीकृति को पूरी तरह से गलत ही समझते रहेंगे।

सच यह है कि अस्वीकृति हमारे लिए एक उपकार बन सकती है। यह हमें वस्तुनिष्ठ वास्तविकता का सामना करने के लिए मजबूर करती है। हमें पता चलता है कि शायद हमारी लंबे समय से चली आ रही उम्मीदों के विपरीत हमारे अपने दिमाग के बाहर एक पूरा ब्रह्मांड मौजूद है और दूसरों की राय भी हमारी राय जितनी ही मायने रखती है। अस्वीकृति हमारे संकल्प को भी दृढ़ कर सकती है, क्योंकि जितनी बार हमें अस्वीकार किया जाता है, उतनी ही अधिक दृढ़ता से हम आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं।

अस्वीकृति लचीलेपन की कला, असफलता से उबरने की क्षमता, एक उद्यमी मानसिकता को बनाए रखने के लिए आवश्यक गुण की शिक्षा देती है। हालांकि अस्वीकृति को एक वांछित परिणाम या सफलता की सीढ़ी के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। लेकिन सबसे अच्छे हालात में अस्वीकृति हमें खुद के प्रति सच्चा रहने के लिए प्रेरित कर सकती है। इसलिए जितनी जल्दी हम 'न' के साथ तालमेल बिठाना सीख जाएंगे, उतनी ही जल्दी हमारे पास 'हां' कहने का मौका होगा।

# कृत्रिम रोशनी की चकाचौंध के खतरे, वैज्ञानिक अध्ययन आगाह कर रहे

मानव सभ्यता के विकास की कहानी में आग के आविष्कार के बाद, बिजली के बल्ब का आविष्कार सबसे क्रांतिकारी माना गया। इसने मनुष्य को अंधेरे पर विजय दिलाई और रात को दिन में बदल कर हमारी कार्यक्षमता को कई गुना बढ़ा दिया। हमने शहरों को जगमग कर दिया, घरों को रोशन किया और अपनी रातों को भी दिन की तरह सक्रिय बना लिया। हम इसे विकास और आधुनिकता का नाम देते हैं, लेकिन आज यही विजय हमारी सबसे बड़ी जैविक पराजय का कारण बनती जा रही है। जिस कृत्रिम रोशनी को हमने अपनी सुविधा के लिए ईजाद किया था, वह अब एक ऐसे अदृश्य खतरे में तब्दील हो चुकी है, जो हमारे शरीर के सबसे महत्त्वपूर्ण अंगों खासकर हमारे दिल को अपना शिकार बना रही है।

हालिया वैज्ञानिक अध्ययन हमें जिस गंभीर खतरे से आगाह कर रहे हैं, वह न केवल चौंकाने वाला है, बल्कि हमारी पूरी आधुनिक जीवनशैली पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगाता है। रात का यह अनावश्यक प्रकाश हमारे दिल की सेहत के लिए एक धीमा जहर बन गया है। हममें से अधिकांश लोग इस खतरे से पूरी तरह अनजान हैं। हम रोशनी को सुरक्षा और सकारात्मकता से जोड़ते हैं, जबकि अंधेरे को डर से, लेकिन जीव विज्ञान की दृष्टि से हकीकत इसके ठीक विपरीत है। हाल ही में हुए व्यापक और गहन शोधों ने इस बात की पुष्टि की है कि रात के समय कृत्रिम प्रकाश के संपर्क में रहना केवल हमारी नींद खराब नहीं करता, बल्कि यह हृदय संबंधी जानलेवा बीमारियों का सीधा और प्रमुख कारण बन रहा है। ये अध्ययन उन करोड़ों लोगों के लिए एक चेतावनी है, जो यह मानते हैं कि रात में थोड़ी सी रोशनी, टीवी या फोन का इस्तेमाल नुकसानदेह नहीं है।

आंकड़ों की बात करें, तो स्थिति बेहद भयावह नजर आती है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि जो लोग रात में अधिक तेज या लगातार कृत्रिम रोशनी के संपर्क में रहते हैं, उनमें दिल काम न करने का खतरा 56 फीसद तक बढ़ जाता है। चिकित्सा विज्ञान में इसे खतरनाक माना गया है। इसी तरह, दिल के दौरे का खतरा 47 फीसद तक और स्ट्रोक या अन्य जानलेवा स्थितियों का जोखिम तीस फीसद से अधिक पाया गया है। ये केवल कागजी संख्या नहीं हैं, बल्कि यह उन लाखों जिंदगियों का संकेत हैं, जो अपनी अज्ञानता के कारण समय से पहले काल के गाल में समा सकती हैं। इस शोध का सबसे अधिक चिंताजनक पहलू सामने आता है कि यह जोखिम उन लोगों में भी समान रूप से देखा गया, जो अपनी सेहत और शारीरिक गतिविधियों को लेकर बेहद सतर्क थे।

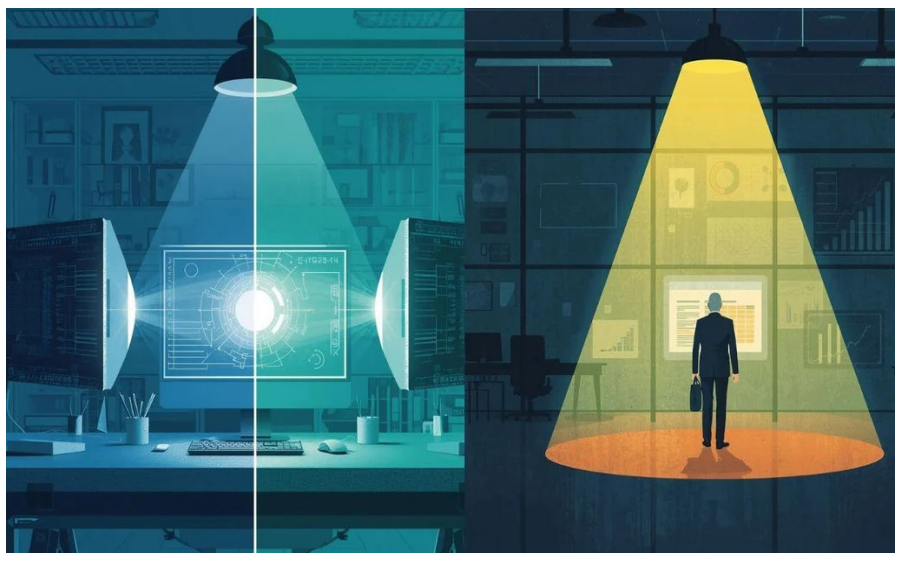

हम अक्सर सोचते हैं कि अगर अच्छा और संतुलित भोजन कर रहे हैं, नियमित रूप से व्यायाम कर रहे हैं, धूम्रपान नहीं करते और शराब से दूर रहते हैं, तो हमारा दिल पूरी तरह सुरक्षित है। मगर यह नया अध्ययन हमारी इस गलतफहमी को पूरी तरह ध्वस्त कर देता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि कृत्रिम रोशनी का दुष्प्रभाव उन लोगों पर भी स्पष्ट रूप से देखा गया, जिनकी जीवनशैली आदर्श थी। इसका सीधा और स्पष्ट अर्थ यह है कि रात का प्रकाश भी एक बड़ा जोखिम है। आप दिन भर कितना भी दौड़ लें या कितना भी पौष्टिक आहार ले लें, यदि आप रात के समय अंधेरे में नहीं सोते हैं, तो आपका दिल खतरे में है। यह तथ्य स्वास्थ्य जगत में एक नए प्रतिमान को स्थापित करता है, जहां अंधेरा भी अब विटामिन और व्यायाम की तरह ही अच्छे स्वास्थ्य का एक अनिवार्य स्तंभ बन गया है।

इस खतरे को समझने के लिए हमें मानव शरीर के विकासवादी इतिहास और उसकी जैविक संरचना को समझना होगा। लाखों वर्षों से मानव शरीर पृथ्वी के घूमने और सूर्य के उगने-ढलने के प्राकृतिक चक्र के साथ तालमेल बना कर विकसित हुआ है। हमारे पूर्वज दिन के उजाले में शिकार के अलावा अन्य काम करते थे और रात के अंधेरे में विश्राम करते थे। लाखों वर्षों की इस प्रक्रिया ने हमारे डीएनए में एक 'जैविक घड़ी' को स्थापित कर दिया है। यह घड़ी प्रकाश और अंधकार के संकेतों पर चलती है। जैसे ही सूरज ढलता है और कुदरती अंधेरा छाता है, हमारी आंखों के रेटिना के माध्यम से दिमाग को संदेश मिलता है कि अब काम बंद करने और आराम करने का समय है। इस संदेश के मिलते ही हमारा मस्तिष्क पीनियल ग्रंथि के जरिए 'मेलाटोनिन' नामक एक बहुत ही खास हार्मोन बनाना शुरू कर देता है। मेलाटोनिन को आम भाषा में अक्सर केवल 'नींद का हार्मोन' समझा जाता है, लेकिन वास्तव में यह उससे कहीं अधिक अहम होता है।

जब रात में मेलाटोनिन का स्राव होता है, तो यह हमारे शरीर के तापमान को थोड़ा कम करता है, हमारे रक्तचाप को घटाता है और दिल की धड़कन को धीमा एवं स्थिर करता है। यह वह समय होता है, जब हमारा दिल, जो दिन भर बिना रुके हजारों लीटर खून पंप करता है और हमारा मानसिक एवं शारीरिक तनाव झेलता है, वह थोड़ा सुस्ताता है और अपनी मरम्मत करता है। दिन भर की भाग-दौड़, चिंता और प्रदूषण से हमारी रक्त वाहिकाओं तथा हृदय की मांसपेशियों में जो सूक्ष्म टूट-फूट होती है, उसे ठीक करने का काम इसी अंधेरे के दौरान मेलाटोनिन की देखरेख में संभव हो पाता है। यह एक 'प्राकृतिक मरम्मत प्रणाली' है, जो हमारे शरीर को अगले दिन के लिए तरोताजा करती है।

शहरीकरण ने इस समस्या को और विकराल बना दिया है। हम ऐसे शहरों में रहते हैं, जो कभी नहीं सोते और जगमगाते रहते हैं। इसे प्रकाश प्रदूषण कहा जाता है। पहले प्रदूषण का मतलब केवल हवा या पानी का गंदा होना था, लेकिन अब प्रकाश ने भी प्रदूषण का रूप ले लिया है, जो हमारे स्वास्थ्य को प्रतिदिन नष्ट कर रहा है। वैज्ञानिक अब इस बात पर जोर दे रहे हैं कि रात का प्रकाश मधुमेह और मोटापे जैसी चयापचय संबंधी समस्याओं को भी जन्म देता है, जो आगे चल कर हृदय रोगों का कारण बनते हैं। मगर इस गंभीर खतरे को टालना पूरी तरह से हमारे अपने हाथों में है। सबसे पहले हम अपने शयनकक्ष में अंधेरे को तवज्जो दें। सुनिश्चित करें कि कमरे में किसी भी स्रोत से कोई भी रोशनी न आ पाए। सोने से कम से कम एक घंटा पहले मोबाइल फोन, लैपटाप, टैबलेट और टीवी को बंद कर दें। इन उपकरणों से निकलने वाली नीली रोशनी मेलाटोनिन हार्मोन के उत्पादन को रोकने में सबसे आगे होती है।

असल में रात का अंधेरा केवल प्राकृतिक घटना नहीं है, बल्कि हमारे शरीर और दिल के लिए एक अनिवार्य स्वास्थ्य आवश्यकता है। हमने अपनी सुविधा के लिए इस अंधेरे पर जो रोशनी थोप दी है, वह हमारे जीवन को छोटा कर सकती है। हमें इस बात को गंभीरता से समझना होगा कि जैसे अच्छा भोजन और व्यायाम जरूरी है, वैसे ही गहरी और अंधेरी नींद भी हृदय के स्वास्थ्य की कुंजी है। अपने दिल को स्वस्थ रखने के लिए हमें रातों को फिर से प्राकृतिक रूप में अपनाना होगा। यह छोटा सा बदलाव हमारे दिल को एक लंबा और स्वस्थ जीवन जीने का मौका दे सकता है। याद रखना चाहिए कि जब बाहर की बत्तियां बुझती हैं, तभी हमारे भीतर जीवन की लौ अपनी पूरी क्षमता से जल पाती है।

# किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरी ने शिविर के लिए किया भूमि पूजन

## आचार्य महामंडलेश्वर, महामण्डलेश्वर स्वामी ममतानंद गिरि पांच जनवरी को आएगी शिविर में

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। संगम की रेती पर 3 जनवरी 2026 से माघ मेले की शुरुआत होने जा रही है। माघ मेले को लेकर लगातार साधु, संतों और संस्थाओं के शिविरों के भूमि पूजन का सिलसिला जारी है। मंगलवार को किन्नर अखाड़े ने भी ओल्ड जीटी रोड - संगम लोवर चौराहे पर अपने शिविर का विधि विधान से भूमि पूजन किया। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरी (छोटी मां) ने अपने शिष्यों के साथ विधि विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिविर के लिए भूमि पूजन किया। भूमि पूजन करने के साथ उन्होंने मां गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती से माघ मेले के सकुशल और निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की।

इस मौके पर महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरी ने कहा कि इस बार भी माघ मेले में किन्नर अखाड़ा आकर्षण का केंद्र रहेगा। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में देश, विदेश से बडी संख्या में किन्नर संत कल्पवास भी करेंगे। उन्होंने बताया कि उनके शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरी ( छोटी मां) ने बताया कि इस बार भी माघ मेले के लेकर दौरान किन्नर अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर प्रो (डॉ) स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी और यामाई 1008 महामण्डलेश्वर स्वामी आशीर्वाद देने के लिए जनवरी के पहले हफ्ते में आएगे।

ममतानंद गिरि यहां पर लोगों को

उन्होंने बताया कि किन्नर अखाड़ा हर वर्ष की तरह इस बार भी माघ मेले में प्रमुख स्नान पर्वों पर अमृत स्नान भी करेगा। उन्होंने कहा है कि प्रदेश की योगी सरकार इस माघ मेले को मिनी कुंभ की तर्ज पर आयोजित कर रही है। योगी सरकार में साधु, संतों और श्रद्धालुओं को माघ मेले में अच्छी व्यवस्था मिल रही है। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरी ( छोटी मा) ने माघ मेले के आयोजन की अच्छी व्यवस्थाओं को लेकर योगी सरकार का आभार भी जताया है।

भूमि पूजन के बाद किन्नर संतों ने भक्ति गीतों पर जमकर डांस भी किया। भूमि पूजन में किन्नर अखाड़ा महामंडलेश्वर स्वामी कल्याणी नंद गिरि जी महाराज, श्रीमहंत सरस्वती नंद गिरी, कामाक्षी नंद गिरी, हर्षिता नंद गिरी, शिवानी नंद गिरी, मनीषा नंद गिरी, अंजलि नंद गिरी, आराधना नंद गिरी, मोहिनी नंद गिरी, वैशाली नंद गिरी, महक नंद गिरी, आलिया नंद गिरी, सुनैना नंद गिरी, काजल नंद गिरी, चांदनी नंद गिरी, मेनका नंद गिरी, शिवंगी नंद गिरी, अर्पिता नंद गिरी, अनुष्का नंद गिरी, सोनल नंद गिरी, माही नंद गिरी, नेहा नंद गिरी, महिमा नंद गिरी, सिमरन नंद गिरी, नैन्सी नंद गिरी, अंसी नंद गिरी, मोनिका नंद गिरी, पंखुड़ी नंद गिरी, अंजनी नंद गिरी, काव्या नंद गिरी, जन्वी नंद गिरी, तनया नंद गिरी, मंजुलिका नंद गिरी, हेमा नंद गिरी सहित बडी संख्या में श्रद्धालु पूजन में शामिल हुए।

## शुभांगी लाटकर और इंदिरा कृष्णा हैं सबसे बड़ी प्रेरणा : अमनदीप सिद्धू

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। ज़ी टीवी का शो 'गंगा माई की बेटियां' अपनी दिलचस्प कहानी और दमदार महिला किरदारों के चलते दर्शकों के बीच एक अलग पहचान बना चुका है। शो में स्नेहा (अमनदीप सिद्धू), दुर्गावती (इंदिरा कृष्णा), गंगा माई (शुभांगी लाटकर) और इंदु (श्रद्धा जायसवाल) जैसे चार मजबूत महिला किरदार देखने को मिलते हैं। इन सभी किरदारों को उनकी मजबूती, बेबाकी और सच्चाई के लिए दर्शकों से काफी तारीफें मिली है। ग्रे शेड्स के साथ गढ़े गए ये किरदार उन्हें और ज्यादा असली और जुड़ा हुआ बनाते हैं। शो में स्नेहा का किरदार निभा रहीं अमनदीप सिद्धू मानती हैं कि 'गंगा माई की बेटियां' इसलिए अलग है क्योंकि इसमें महिलाओं को बिना किसी सांचे में ढाले, मजबूत, अपनी राय रखने वाली और हालात से लड़ने वाली दिखाया गया है, जो असल ज़िंदगी की आवाज़ और संघर्ष को सामने रखता है। शो की इस अनोखी खासियत को लेकर अमनदीप कहती हैं, 'दुर्गावती, स्नेहा, गंगा माई और इंदु, हम चारों ही बहुत मजबूत सोच वाली और जुझारू महिलाएं हैं। हम सबका अपना-अपना नज़रिया है और यही बात हमें एक-दूसरे से अलग बनाती है। जैसे इंदु का किरदार... भले ही वो निगेटिव है, लेकिन कई मौकों पर आप उसके लिए भी सहानुभूति महसूस करने लगते हैं। शो का असर ऐसा है कि वो असल ज़िंदगी तक पहुंच गया है।

## कालिंदीपुरम में भागवत कथा का दूसरा दिन

# जीवन में एक बार भागवत कथा अवश्य सुननी चाहिए-जन्मेजय

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। सृष्टि के रचयिता परमपिता परमेश्वर भगवान कृष्ण का और रुक्मणी का विवाह नंदगांव कॉलोनी वार्ड नंबर 54 में चल रही भागवत कथा में मनाया गया कथावाचक आचार्य जन्मेजय कृष्णम ने कथा में बताया कि सृष्टि सुचारू से चलती रहे इसीलिए भगवान ने यह लीला रची और मानव में एक संदेश दिया कि सृष्टि का संचालन स्त्री और पुरुष एक सिक्के के दो पहलू है इसी से संसार चलता रहता है। कथा के बीच में रुक्मणी की सखियों ने पांच नाच कर मोहक दृश्य प्रस्तुत किया और भाव विभोर होकर के भक्त जनों ने मंगल गीत गाये कल 31 दिसंबर को कथा भागवत कथा का हवन समापन होगा और प्रसाद का भंडारा रहेगा भागवत कथा को कुशल संपन्न कराने में कॉलोनी के निर्माण व्यक्ति उपस्थित रहे जिन्होंने संपूर्ण भागवत कथा में बहुत ही सराहनीय भूमिका निभाई। मानव तन पाकर भागवत कथा अवश्य सुननी चाहिए, यदि जिंदगी में नहीं सुनते वे पशु के समान है। साथ ही चांडाल और गधे के समान माना गया है। यह बात शुक्रवार को कालिंदीपुरम के नंद गांव में नंदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन आचार्य जन्मेजय कृष्ण ने कही।उन्होंने कहा कि आधुनिकता में कभी खो नहीं जाना चाहिए सनातन धर्म जीवन जीने की कला सिखाता है। भागवत कथा सुनने से बड़े बड़े पापी भी तर जाते हैं, कथा में रवि वर्मा, संजय सिंह, योगेश त्रिपाठी, टिंकू राय, निधीश सिंह, सरोज तिवारी, सत्येन्द्र यादव, योगेश त्रिपाठी, देवेंद्र चौहान , प्रभा, सहित सैकड़ों महिलाएं, पुरुष उपस्थित रहे।

## 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान : नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया जागरूक

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति / एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' अभियान, महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया गया जागरूक।

आज पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन की दी गई जानकारी।

# माघ मेले में लगा मुक्त विश्वविद्यालय का दूरस्थ शिक्षा जागरूकता शिविर

## कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सपत्नीक किया भूमि पूजन

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में लाल सड़क मार्ग सेक्टर 3 में मंगलवार को दूरस्थ शिक्षा जागरुकता शिविर का भूमि पूजन कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने किया। प्रोफेसर सत्यकाम ने सपत्नीक वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विश्वविद्यालय के विकास एवं शिविर की सफलता के लिए गंगा तट पर भूमि पूजन का आयोजन किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा सभी के लिए है। विश्वविद्यालय के शिविर का उद्देश्य ही यही है कि माघ मेले में देश के कोने कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को दूरस्थ शिक्षा के बारे में जानकारी प्रदान की जाए। अपने इस उद्देश्य में मुक्त विश्वविद्यालय कुंभ 2025 में सफल रहा और मानवता की सेवा करते हुए अपने शिविर में न केवल कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए वरन कई शिक्षण संस्थानों से शोध के लिए आने वाले दल के लिए आवासीय व्यवस्था भी नि निःशुल्क सुलभ कराई। प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि इस बार भी माघ मेला में शिविर के संचालन की बागडोर डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया को सौंपी गई है, जिनके निर्देशन में यहां उपस्थित टीम विश्वविद्यालय के लोकप्रिय कार्यक्रमों के बारे में लोगों को जागरूक करेगी। प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम एवं श्रीमती सीमा सत्यकाम का स्वागत शिविर के नोडल अधिकारी डॉ अनिल कुमार सिंह भदौरिया ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर ए के मलिक, प्रोफेसर आनंदानंद त्रिपाठी, प्रोफेसर देवेश रंजन त्रिपाठी आदि शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने किया।

## जगत तारन एजुकेशन सोसाइटी की प्रबंधन समिति की ओर से हुआ कार्यक्रम

### बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की शहर में लगेगी प्रतिमा : केशव प्रसाद

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। वंदेमातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की प्रतिमा शहर में जल्द स्थापित की जाएगी। कोलकाता तक हवाई और जल परिवहन योजनाएं मूर्त रूप ले रही हैं। इस दिशा में तेजी से कार्य चल रहा है। यह बातें उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बंग समाज की ओर से जगत तारन गोल्डेन जुबली स्कूल में हुए आयोजन में आज कही। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कदम से हम सब सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से एक दूसरे से जुड़ेंगे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बंगाली समाज में अद्भुत सहनशीलता, गरिमा और संकल्प है। वह हर चुनौती का सामना साहस और सम्मान के साथ करता आया है। जगत तारन एजुकेशन सोसाइटी की प्रबंधन समिति की ओर से होने वाले इस आयोजन के लिए उप मुख्यमंत्री ने धन्यवाद दिया। उन्होने कहा कि मेजर बामन दास बसु द्वारा स्थापित इस संस्था ने 105 वर्षों से अधिक समय से शिक्षा और सेवा के आदर्शों को निष्ठा के साथ निभाया है। इसके पूर्व जेटी की प्रधानाचार्य सुष्मिता कानूनगो ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर प्रदीप मुखर्जी, प्रो असीम मुखर्जी, डा. प्रोबल नियोगी, मनोज बनर्जी, संजीव चंदा, शंकर चटर्जी, अमित कुमार नियोगी आदि मौजूद रहे। संचालन स्मिता ने किया। इस मौके पर सांसद प्रवीण पटेल, विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, राजमणि कोल, निर्मला पासवान, संजय गुप्ता, डा. वीके सिंह सहित अन्य लोग मौजूद थे।

## मोदी जी के नेतृत्व दुनिया एक सूर्य एक पृथ्वी और एक भविष्य की ओर चलने को तैयार हैं

# अटल जी का स्वप्न अधूरा मोदी जी अब कर रहे हैं पूरा : केशव प्रसाद मौर्य

## पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई जी की जीवन पर आधारित लघु फिल्म का किया गया प्रसारण

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। भाजपा प्रयागराज महानगर के द्वारा जिला पंचायत सभागार में अटल एक व्यक्तित्व एक विचारधारा संगोष्ठी का आयोजन किया कार्यक्रम का शुभारंभ वंदे मातरम गीत के साथ किया गया। इस अवसर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें याद किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पूज्य अटल बिहारी वाजपेई जी को नमन करते हुए कहा कि पूज्य अटल बिहारी वाजपेई जी का जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित रहा है और जब वो प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अमेरिकी चीन और दुनिया के अन्य देशों की परवाह न करते हुए पोखरण में परमाणु शक्ति का सफल प्रयोग किया और भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश बनाया और भारत के मिशाइल मैन कहे जाने वाले भारत के वैज्ञानिक अब्दुल कलाम जी को देश का राष्ट्रपति बनाया और उन्होंने 1999 में कारगिल विजय आपरेशन चला कर पाक घुसपैठियों से कश्मीर से मुक्त किया और उन्होंने भारत को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ा और ग्राम सड़क विकास योजना की नींव डाली जिसके तहत आज हमारी सरकार गांव को मुख्य मार्ग से जोडने का काम कर रही और गांव गांव में बिजली पहुंचाई जा रही है और कहा पूज्य अटल जी ने भारत में डीजिटल भारत का बीजारोपण किया उन्होंने आगे कहा कि पूज्य अटल बिहारी वाजपेई जी के काम जो 2004 तक चला अब वो काम 2014 से अटल जी के अधूरे सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पूरा कर रहे हैं और आगे कहा कि कांग्रेस की सरकार में गैस सिलेंडर के लिए लोगों को लंबी लाइन लगानी पर दी थी लेकिन आज धान मंडी नरेंद्र मोदी की सरकार में घर घर गैस सिलेंडर पहुंच रहा है और कहा कि कुछ अटल बिहारी बाजपेई जी ने भाजपा की नींव मजबूत की और भारतीय जनता पार्टी को शून्य से लेकर शिखर पहुंचाया और आगे एस आई आर अभियान को लेकर कहा कि देश के अंदर फर्जी वोटरों का युग अब समाप्त होगा अब फर्जी नहीं असली मतदाता ही सांसद विधायक प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री और अन्य जनप्रतिनिधि चुनेंगे और जो राजनैतिक दल फर्जी वोटरों के बल पर अपनी सरकार बनाते थे उनके दिन लद गए और यही कारण है कांग्रेस सपा वामदल तृणमूल कांग्रेस और उसके सहयोगी दल एस आई आर अभियान को भ्रम फैला रहे हैं और विरोध कर रहे इसलिए भाजपा कार्यकर्ता अनुचित 324 , 325 , 326 को संज्ञान में लेकर उनको जवाब दे और कहा कि मनरेगा में जी राम जी का शब्द आने से सपा और कांग्रेस के पेट में दर्द हो रहा है इसके अलावा इनकी सरकारों में मनरेगा योजना के तहत जो लूट होती थी अब बंद होगी अब दिल्ली से चला एक रुपया पचासी पैसे की लूट जो होती थी अब बंद होगी और मोदी जी के द्वारा पीएम गति शक्ति पोर्टल लॉन्च कर देने से अब पूरा का पूरा पैसा गांव के विकास में लगाना होगा जिससे भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में धारा 370 हटाकर हमने डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी को सच्ची श्रद्धांजलि दी और कांग्रेस कहती कि हमारी सरकार आएगी तुम धारा 370 पुनः लागू करेंगे और और देश और प्रदेश की जनता ने ठान लिया है कि कांग्रेस को सरकार में आने ही नहीं देंगे और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरी दुनिया एक सूर्य एक पृथ्वी एक भविष्य की ओर बढ़ रही है और देश प्रदेश की जनता जातिवाद , वंशवाद, नक्सलवाद, आतंकवाद, भाषावाद, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली पार्टी कांग्रेस सपा एवं उसके सहयोगी दल को मुक्त कर भाजपा के राष्ट्रवाद के साथ खड़ी है।

इस अवसर जिला कैबिनेट मंत्री संजय निषाद, पंचायत अध्यक्ष बीके सिंह , महापौर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर, पूर्व विधायक प्रभा शंकर पांडे, जिला अध्यक्ष गंगा पार निर्मला पासवान जिला अध्यक्ष यमुना पार राजेश शुक्ला, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा, शशि वार्ष्णेय आदि ने अटल जी पर अपने विचार डाला कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता ने किया और उन्होंने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद को स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जीवन पर आधारित लघु फिल्म, और एस आई आर अभियान को लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह और विधानसभा में वंदे मातरम गीत को लेकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जी के द्वारा दिए गए बयान की रिकॉर्डिंग का प्रसारण किया गया और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लेबनान की धरती पर फ्री स्टाइल मिक्स मार्शल आर्ट प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक से विजई हुई खुशबू निषाद को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुंज बिहारी मिश्रा, वरुण केसरवानी रवि, रमेश पासी, राजेश केसरवानी, मृत्युंजय तिवारी, पवन श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा, रॉबिन साहू, आदि सैकड़ो की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# प्राथमिक विद्यालय कुसुगूर का औचक निरीक्षण विद्यालय के सुंदरीकरण व शैक्षिक वातावरण की हुई सराहना

थरवई। विकासखंड बहरिया स्थित प्राथमिक विद्यालय कुसुगूर में सोमवार को नीति आयोग के अधिकारियों के साथ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अनिल कुमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नीति आयोग के सदस्य सुभाष चंद्र भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने विद्यालय की शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ सुंदरीकरण, स्वच्छता और अनुशासित वातावरण की विशेष रूप से सराहना की।निरीक्षण के दौरान विद्यालय में सुसज्जित कक्षाएं, स्वच्छ परिसर, रंगीन शैक्षिक चित्रण और बच्चों के अनुकूल वातावरण अधिकारियों के आकर्षण का केंद्र रहा। विद्यालय का संपूर्ण सुंदरीकरण बच्चों को सीखने के लिए प्रेरक वातावरण को देख कर।विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सुशील द्वारा किए गए प्रयासों की अधिकारियों ने संयुक्त रूप से प्रशंसा की गई उन्होंने छात्र-छात्राओं की संख्या, नामांकन, नियमित उपस्थिति एवं शैक्षणिक प्रगति की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि प्रधानाध्यापिका के कुशल नेतृत्व में विद्यालय में पठन-पाठन की गुणवत्ता और अनुशासन स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।इसके साथ ही विद्यालय परिसर, रसोईघर, शौचालय एवं साफ-सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। मध्याह्न भोजन की व्यवस्था, रसोईघर की स्वच्छता तथा पोषण मानकों का पालन संतोषजनक पाया गया। अधिकारियों ने विद्यालय को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और बच्चों के सर्वांगीण विकास के अनुकूल बताया। निरीक्षण के अंत में बीएसए अनिल कुमार ने विद्यालय स्टाफ को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नियमित नवाचार और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए।इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी बहरिया शिव अवतार, ग्राम प्रधान कपिल यादव सहित विद्यालय के शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

# अनादि, अविनाशी और शाश्वत है सनातन धर्म : विराट सम्मेलन में इंजीनियर डी. एन. शुक्ला का ओजस्वी उद्बोधन

**मंत्र भारत संवाददाता**

प्रयागराज। सकल हिंदू समाज, गंगानगर प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए इंजीनियर डी. एन. शुक्ला ने सनातन धर्म की अनादि और शाश्वत परंपरा को सशक्त शब्दों में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सृष्टि के आरंभ से लेकर आज तक यदि कोई धर्म निरंतर मानवता का मार्गदर्शन करता आया है, तो वह केवल सनातन धर्म है।

अपने संबोधन की शुरुआत भगवद्गीता के श्लोक से करते हुए उन्होंने कहा– 'धर्मो रक्षति रक्षितः' अर्थात जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है।

इंजीनियर शुक्ला ने कहा कि सनातन धर्म किसी काल विशेष की देन नहीं, बल्कि जीवन की शाश्वत व्यवस्था है, जो सत्य, करुणा, कर्तव्य और समरसता पर आधारित है।

उन्होंने श्रीरामचरितमानस की चौपाई उद्धृत करते हुए कहा– 'परहित सरिस धरम नहि भाई, पर पीड़ा सम नहि अधमाई।'

इस चौपाई के माध्यम से उन्होंने बताया कि सनातन धर्म का मूल तत्व परहित और मानव कल्याण है, जो इसे विश्व का सबसे उदात्त और वैज्ञानिक धर्म बनाता है।

इंजीनियर शुक्ला ने आगे गीता का श्लोक प्रस्तुत करते हुए कहा– 'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत, अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।'

उन्होंने कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब सनातन चेतना नए रूप में प्रकट होकर समाज को दिशा देती है। यही कारण है कि सभ्यताएँ बदलीं, शासन बदले, लेकिन सनातन धर्म अडिग रहा।

रामायण की चौपाई के माध्यम से उन्होंने समाज को एकजुट रहने का संदेश देते हुए कहा– 'रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन न जाई।' उन्होंने कहा कि सत्य, वचनबद्धता और नैतिकता ही सनातन धर्म की पहचान है, और यही मूल्य राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं।

सम्मेलन में उपस्थित संतों, बुद्धिजीवियों और श्रद्धालुओं ने इंजीनियर शुक्ला के ओजस्वी विचारों का करतल ध्वनि से स्वागत किया। पूरा वातावरण ' वंदे मातरम' के उद्घोष से गूंज उठा।

आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के विराट आयोजन समाज में संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रबोध को सुदृढ़ करते हैं तथा युवा पीढ़ी को अपने सनातन गौरव से जोड़ने का कार्य करते हैं।

# अब शिवसेना (शिंदे) से पुनः भाजपा में लौटे संतोष शेट्टी, शक्ति प्रदर्शन के साथ किया नामांकन

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी पूर्व विधानसभा क्षेत्र से विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से चुनाव लड़ चुके और हार का सामना करने वाले संतोष शेट्टी ने एक बार फिर राजनीतिक पाला बदलते हुए शिवसेना (शिंदे) को छोड़कर भाजपा में वापसी कर ली है। मनपा चुनाव से पहले नामांकन के अंतिम दिन उन्होंने भारी शक्ति प्रदर्शन के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

गौरतलब है कि पद्मानगर क्षेत्र के प्रभाग क्रमांक 17 से संतोष शेट्टी कई बार नगरसेवक चुने जा चुके हैं। पूर्व पार्षद संतोष शेट्टी ने विधानसभा चुनाव के दौरान शिवसेना (शिंदे) में प्रवेश कर चुनाव लड़ा था, लेकिन करारी हार के बाद वे राजनीतिक रूप से शांत हो गए थे। अब मनपा चुनावों को देखते हुए जब वार्ड क्रमांक 17 भाजपा के खाते में आया, तो पार्टी ने एक बार फिर उन्हें उम्मीदवार बनाया है। इसे संतोष शेट्टी की भाजपा में घरवापसी के रूप में देखा जा रहा है। संतोष शेट्टी के साथ ही कपिल पाटील के भतीजे सुमित पाटील और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के शहर अध्यक्ष महेंद्र गायकवाड़ की पत्नी नंदिनी गायकवाड़ भी भाजपा के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। इन सभी उम्मीदवारों ने पद्मानगर क्षेत्र में भव्य रैली निकालकर भारी भीड़ के साथ अपना नामांकन दाखिल किया।

बताया जाता है कि संतोष शेट्टी इससे पहले शिवसेना के अलावा कांग्रेस सहित कई अन्य पार्टियों से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन उन्हें हर बार हार का सामना करना पड़ा है। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद उन्होंने एक बार फिर एक पायदान नीचे उतरते हुए नगरसेवक चुनाव के लिए नामांकन भरा है।इधर, प्रभाग क्रमांक 16 से संतोष शेट्टी के भाई राजेश शेट्टी भी चुनाव मैदान में हैं। उन्हें दो बार लगातार नगरसेवक रह चुके और इलाके में मजबूत पकड़ रखने वाले नित्यानंद नाडर उर्फ वासु अन्ना की जगह टिकट दिया गया है। इसे लेकर पूरे प्रभाग में भाजपा के प्रति लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

# देशी पिस्तौल, कारतूस और छुरा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई जारी है। शांति नगर पुलिस और ठाणे मालमत्ता अपराध शाखा की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों से दो युवकों को देशी पिस्तौल, जिंदा कारतूस और धारदार छुरा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, 30 दिसंबर की रात करीब 2:25 बजे शांति नगर पुलिस गश्त के दौरान साईनगर की ओर जाने वाले मार्ग पर एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से देसी बनावट की एक पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। जब्त हथियार की कीमत करीब 20,500 रुपये बताई जा रही है।गिरफ्तार आरोपी की पहचान नईम मुजफ्फर अंसारी (35), निवासी बाबा होटल के पास, गायत्री नगर, भिवंडी के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि आरोपी के पास हथियार रखने का कोई वैध लाइसेंस नहीं था। इस मामले में शांति नगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 3 व 25 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 37(1) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी हथियार कहां से लाया और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जाना था।

दूसरे मामले में ठाणे मालमत्ता अपराध शाखा की पुलिस टीम ने पद्मानगर हनुमान टेकरी के पास से एक युवक को संदिग्ध अवस्था में गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से लोहे का एक धारदार छुरा बरामद किया गया है। गिरफ्तार युवक की पहचान गौरीशंकर गोविंद प्रसाद पांडे (26), निवासी नारायण कंपाउंड, पद्मानगर, भिवंडी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी पांडे के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसके चलते उसे दो वर्षों के लिए भिवंडी शहर से तड़ीपार किया गया था। इसके बावजूद वह तड़ीपार आदेश का उल्लंघन कर इलाके में घूम रहा था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

# महिला ने खाड़ी में कूदकर की आत्महत्या

**पति और सास पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप, मामला दर्ज**

भिवंडी।भिवंडी तालुका के कोनगांव पुलिस थाना क्षेत्र में एक 28 वर्षीय विवाहिता द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। विवाहिता ने दुर्गाडी खाड़ी के गणेश घाट परिसर में पानी में कूदकर अपनी जान दे दी। इस मामले में पुलिस ने मृतका के पति और सास के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जुनांदुर्खी शिवाजी नगर निवासी रामचंद्र दयाराम पाटील ने कोनगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में उन्होंने बताया कि उनकी 28 वर्षीय बेटी की शादी पिंपलघर गांव निवासी हेमंत पाटील से हुई थी। आरोप है कि हेमंत पाटील कर्ज में डूबा हुआ था और पैसों की मांग को लेकर वह पत्नी के साथ लगातार मारपीट और गाली-गलौज करता था।शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि सास शोभा पाटील द्वारा विवाहिता को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। पति और सास की लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर विवाहिता ने 27 दिसंबर की रात कोनगांव स्थित दुर्गाडी खाड़ी में छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली।घटना की जानकारी 28 दिसंबर को सुबह करीब 11:24 बजे पुलिस को मिली। कोनगांव पुलिस ने मृतका के पति हेमंत पाटील और सास शोभा पाटील के खिलाफ बीएनएस की धारा 108 और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक महेन्द्र सपकाले कर रहे हैं।

# भिवंडी में कानून का ठेंगा दिखाकर चल रहा था हुक्का अड्डा

## ठाणे अपराध शाखा पुलिस ने मारा छापा

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी में अवैध हुक्का पार्लर पर ठाणे अपराध शाखा की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। भिवंडी शहर पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत संचालित सलीम मलबारी के अवैध हुक्का पार्लर पर ठाणे शहर की मध्यवर्ती अपराध शोध पथक ने देर रात छापा मारकर छह लोगों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई 29 दिसंबर 2024 की रात करीब 11:25 बजे मलबारी हुक्का क्लब, पन्ना कंपाउंड, सीमेंट गोदाम के पास, शिव मंदिर के नजदीक की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि यहां बिना किसी वैध अनुमति के हुक्का पार्लर चलाया जा रहा है और ग्राहकों को हुक्का पिलाया जा रहा है। छापेमारी के दौरान हुक्का पार्लर के मालिक सलीम अब्बास मलबारी के साथ साहिल कलीम खान (मैनेजर), शाहील राफीक चौधरी (वेटर), निसार मोहम्मद अख्तर मनियार (वेटर), अमान खलील कुरेशी (वेटर) और चांद मोहम्मद दीन मोहम्मद कुरेशी (डीजे चालक) को पुलिस ने हिरासत में लिया।मौके से हुक्का फ्लेवर, हुक्का पीने के उपकरण सहित अन्य सामग्री जब्त की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 8,900 रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के पास हुक्का पार्लर चलाने की कोई वैध अनुमति नहीं थी।इस मामले में सभी छह आरोपियों के खिलाफ कोप्टा कायदा की धारा 4(अ) और 21(अ) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक विनोद शेंडकर द्वारा की जा रही है।

## कानपुर में 'बाबू' कहने पर सड़क पर सरेआम मारपीट!

# लड़की ने दूसरी लड़की को 10 से ज्यादा थप्पड़ और लातें मारी, वीडियो वायरल

लखनऊ (एजेंसी)। कानपुर महानगर के यशोदा नगर बाईपास पर एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां दो लड़कियों के बीच लड़ाई की शुरुआत सिर्फ एक शब्द से हुई। वर्रा क्षेत्र की रहने वाली युवतियों के बीच यह विवाद इतना बढ़ गया कि बीच सड़क पर मारपीट तक पहुंच गया।

वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि सफेद कपड़े पहनी एक युवती अचानक काले कपड़ों में मौजूद दूसरी युवती पर टूट पड़ती है। वजह यह बताई जा रही है कि पीड़ित युवती ने हमलावर युवती के बॉयफ्रेंड अभिषेक को 'बाबू' कह दिया था। गुस्से में हमलावर युवती चिल्लाते हुए कहती है, 'मेरे बॉयफ्रेंड को तूने छोड़ा था, अब वह मेरा है, फिर उसे बाबू क्यों कहा?' वीडियो में दोनों युवतियां गालियां देती और आरोप-प्रत्यारोप करती नजर आती हैं।

वीडियो में आगे देखा जा सकता है कि हमलावर युवती पीड़ित को बाल पकड़कर सड़क पर पटक देती है। इसके बाद उसे सड़क पर घसीटते हुए लगातार थप्पड़ मारती है। लगभग 10-11 थप्पड़ और कई लातें वीडियो में साफ दिखाई देती हैं। पीड़ित युवती दर्द से चिल्लाती है और हाथ जोड़कर माफी मांगती है, लेकिन



हमलावर का गुस्सा शांत नहीं होता।

यह घटना व्यस्त हाईवे पर हुई, लेकिन आसपास मौजूद लोग केवल तमाशा देखते रहे। वीडियो में एक तीसरी युवती भी दिखाई देती है, जो मारपीट रोकने की बजाय वीडियो बनाती है और बीच-बीच में खुद भी मारती है।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही कानपुर पुलिस हरकत में आ गई। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि वायरल वीडियो संज्ञान में है और मामले की जांच की जा रही है। युवतियों की पहचान की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा में है और लोगों के लिए चेतावनी भी बन गया कि सार्वजनिक स्थानों पर हिंसा और व्यक्तिगत विवाद कितनी जल्दी बढ़ सकता है।

# 10 लाख की बिजली चोरी का मामला दर्ज

भिवंडी। भिवंडी के शांतिनगर पुलिस थाना क्षेत्र में बिजली चोरी और आर्थिक ठगी के दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। दोनों मामलों में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत कार्रवाई की गई है। इन मामलों में कुल मिलाकर करीब 10 लाख रुपये से अधिक की बिजली चोरी सामने आई है।

पहले मामले में महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी में उपकार्यकारी अभियंता के पद पर कार्यरत एम. श्रीहरिचंद्र भास्कर पोपलघर ने शांति नगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार गोवे गांव निवासी प्रेमनाथ लक्ष्मण मुकदम ने नवंबर 2024 से अगस्त 2025 के दौरान अपने आर्थिक लाभ के लिए अवैध रूप से बिजली चोरी की। जांच में सामने आया कि आरोपी ने मीटर से छेड़छाड़ कर कुल 36,485 यूनिट बिजली का अवैध उपयोग किया, जिससे विद्युत वितरण कंपनी को करीब 5 लाख 86 हजार 80 रुपये का नुकसान हुआ।

दूसरे मामले में टोरेंट पावर कंपनी के एक्जीक्यूटिव लक्ष्मीकांत सुदाम भवर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत के अनुसार शास्त्री नगर निवासी फहीम खलीलुल्ला अंसारी ने मीटर सेक्शन पिलर से अवैध कनेक्शन लेकर बिना अधिकृत मीटर के बिजली का उपयोग किया। जांच के दौरान करीब 13,031 यूनिट बिजली चोरी का खुलासा हुआ, जिससे विद्युत कंपनी को लगभग 4 लाख 7 हजार 515 रुपये का नुकसान हुआ है। शांति नगर पुलिस ने दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत अपराध दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

# सीमेंट मिक्सर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार घायल..

**लापरवाह ड्राइविंग के आरोप में अज्ञात चालक पर मामला दर्ज**

भिवंडी।भिवंडी तालुका के कोनगांव पुलिस थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार सीमेंट मिक्सर ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार घायल हो गया। इस घटना में एक अन्य युवक को भी गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप में अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, नवी मुंबई निवासी रविंद्र सुभाष पंडा ने कोनगांव पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में बताया गया है कि 29 दिसंबर की सुबह करीब 9 बजे वह अपने मित्र दीपक सिंह के साथ मोटरसाइकिल से पिंपलास रेलवे ब्रिज से ठाणे-नाशिक रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे सीमेंट मिक्सर ट्रक क्रमांक MH43-BX-4862 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।हादसे के बाद दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। इस दुर्घटना में रविंद्र पंडा के बाएं हाथ की एक उंगली टूट गई, जबकि उनके मित्र दीपक सिंह को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे में मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई।कोनगांव पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 4(क), 281, 115(अ), (ब), 324(4) तथा मोटर वाहन अधिनियम की धारा 184 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस द्वारा ट्रक चालक की तलाश की जा रही है और मामले की आगे की जांच जारी है।

# मध्य रेल ने उपलब्धियों, अभिनव पहलों और प्रगति का एक उल्लेखनीय वर्ष 2025 दर्ज किया

## 2025: मध्य रेल के लिए यात्री-केंद्रित विकास, सुरक्षा सुदृढ़ीकरण, अवसंरचना विस्तार और हरित पहलों का वर्ष

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल ने वर्ष 2025 में विद्युतीकरण के 100 वर्ष पूरे होने का गर्वपूर्वक उत्सव मनाया। यह 1925 में हार्बर लाइन पर विक्टोरिया टर्मिनस (वर्तमान छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस–मुंबई) से कुर्ला तक पहली विद्युत ट्रेन की ऐतिहासिक यात्रा की स्मृति में मनाया गया। यह मील का पत्थर प्रगति, नवाचार और राष्ट्र-सेवा की एक शताब्दी की यात्रा का प्रतीक है।

वर्ष 2025 मध्य रेल के लिए एक ऐतिहासिक वर्ष सिद्ध हुआ, जिसमें यात्री सेवाओं, सुरक्षा सुदृढ़ीकरण, अवसंरचना विकास, डिजिटलीकरण, हरित ऊर्जा अपनाने, स्टेशन पुनर्विकास तथा नवोन्मेषी तकनीकी समाधानों के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज की गईं। इन प्रयासों ने यात्री अनुभव को बेहतर बनाने और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति मध्य रेल की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया।

यात्री सेवाएँ और प्रदर्शन

मध्य रेल ने 2025 में यात्री और माल ढुलाई परिचालन में उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज किया। नेटवर्क पर 1,500 मिलियन से अधिक यात्रियों का परिवहन किया गया, जिससे यात्री, कोचिंग एवं अन्य मदों सहित ?16,110 करोड़ से अधिक का कुल राजस्व प्राप्त हुआ। माल ढुलाई भी सशक्त रही और वर्ष के दौरान 73.37 मिलियन टन लोडिंग दर्ज की गई।

यात्री सुविधाएँ और आराम

यात्री सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। 2025 के दौरान विभिन्न स्टेशनों पर 21 एस्केलेटर और 23 लिफ्ट चालू की गईं। उपनगरीय कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने हेतु नेरुल/बेलापुर-उरण के बीच 10 अतिरिक्त उपनगरीय सेवाएँ शुरू की गईं।

मध्य रेल ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर मोबाइल यूटीएस सहायक (स्वदंत ऊऊए ऐप्स) भी शुरू किए, जिससे हैंडहेल्ड डिवाइस और पोर्टेबल प्रिंटर के माध्यम से मौके पर ही टिकटिंग संभव हुई। इस पहल ने नकद और डिजिटल, दोनों भुगतान विकल्प उपलब्ध कराए गए, जिससे कतारें कम हुईं और यात्रा सुगम बनी।

टिकट जांच अभियानों के दौरान बिना टिकट/अनधिकृत यात्रा के 37.55 लाख मामले पकड़े गए और 216.62 करोड़ का जुर्माना वसूला गया, जिससे किराया अनुपालन और यात्री अनुशासन को बल मिला।

उपनगरीय स्टेशन और नई सेवाएँ

नेरुल/बेलापुर-उरण मार्ग पर दो नए उपनगरीय स्टेशन - तरघर और गावण चालू किए गए जिससे बढ़ते आवासीय और औद्योगिक क्षेत्रों की पहुँच बेहतर हुई। इससे नई नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की कनेक्टिविटी भी सुदृढ़ हुई।

निम्नलिखित नई ट्रेन सेवाएँ प्रारंभ की गईं :

पुणे-अजनी वंदे भारत एक्सप्रेस

नांदेड़- छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस वंदे भारत एक्सप्रेस

लोकमान्य तिलक टर्मनस -सहरसा अमृत भारत एक्सप्रेस

जोधपुर-पुणे एक्सप्रेस

हडपसर-रीवा एक्सप्रेस

अहिल्यानगर-बीड डेमू

विशेष ट्रेन संचालन

मौसमी और त्योहारों की यात्रा मांग को पूरा करने के लिए मध्य रेल ने वर्ष के दौरान 3,097 से अधिक विशेष ट्रेनों का संचालन किया, जिनमें कुंभ मेला, दीपावली, छठ पूजा, ग्रीष्मावकाश, गणपति उत्सव, होली, आषाढ़ी एकादशी और महापरिनिर्वाण दिवस के लिए सेवाएँ शामिल थीं।

महाकुंभ 2025 के लिए मुंबई से 823 ट्रेन सेवाएं (छह विशेष ट्रेनों सहित) चलाकर लाखों श्रद्धालुओं की सुगम एवं सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की गई। इसके अतिरिक्त यात्रियों की सुविधा हेतु विभिन्न ट्रेनों में 52 नए ठहराव प्रदान किए गए।

अवसंरचना विकास

2025 में कई प्रमुख अवसंरचना संबंधित उपलब्धियाँ हासिल की गईं। अत्यंत चुनौतीपूर्ण 9.45 किमी शिंदवणे-अंबाले घाट खंड की कमीशनिंग कर 281 किमी लंबी पुणे-मिरज डबलिंग परियोजना पूर्ण की गई, जिससे कॉरिडोर क्षमता में वृद्धि हुई।

अमलनेर-बीड रेल लाइन का भी कमीशनिंग किया गया, जिससे पहले से वंचित क्षेत्रों को ऐतिहासिक रेल संपर्क मिला और अहिल्यानगर-बीड के बीच निर्बाध कनेक्टिविटी स्थापित हुई।

दौंड-सोलापुर-वाडी खंड का उन्नयन कर 341.80 किमी में अधिकतम अनुमेय गति 110 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 130 किमी प्रति घंटा की गई, जिससे 44 जोड़ी ट्रेनों को लाभ हुआ। पुनर्विकसित कर्जत यार्ड और नए रूट रिले इंटरलॉकिंग सिस्टम ने परिचालन सुरक्षा और विश्वसनीयता को और मजबूत किया।

नासिक में 2027 के सिंहस्थ कुंभ मेले के लिए लगभग 1500 करोड़ के प्रारंभिक कार्य भी आरंभ किए गए हैं।

सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार

मध्य रेल ने रेल सुरक्षा में एक बड़ा मील का पत्थर हासिल करते हुए सभी पाँच मंडलों में कवच लोको ट्रायल्स पूर्ण किए और यह उपलब्धि छह माह के भीतर हासिल करने वाला पहला क्षेत्रीय रेल बना। इस प्रणाली को व्यापक स्टाफ प्रशिक्षण के साथ पूरे नेटवर्क में लागू करने की योजना है।

नवाचारों में वरिष्ठ नागरिकों के अनुकूल रैंप डिब्बा, ऑप्टिकल ग्राउंड वायर संचार प्रणाली, तथा मानसून से निपटने और यात्री डिब्बों में जलस्तर की रीयल-टाइम निगरानी हेतु पुरस्कार-विजेता इन-हाउस समाधान शामिल हैं।

हरित पहल

मध्य रेल ने 'ओपन एक्सेस पावर प्रोक्योरमेंट' अपनाकर सस्टेनेबिलिटी में सबसे आगे रहा, जिससे किफायती, विश्वसनीय और हरित बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित हुई। यह पहल भारतीय रेल के 2030 तक नेट-ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य का समर्थन करती है।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक उपलब्धियाँ

वर्ष के दौरान कई ऐतिहासिक क्षण देखने को मिले जैसे छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर सामूहिक गायन के साथ 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ का उत्सव, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 पर वंदे भारत और मालगाड़ियों का पूर्ण महिला क्रू द्वारा संचालन तथा विश्व धरोहर दिवस पर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस में विरासत प्रदर्शनी आदि । इसके अलावा 15 स्टेशनों पर स्टेशन महोत्सव आयोजित किए गए जिससे सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा मिला और रेल विरासत का उत्सव मनाया गया।

यात्री संरक्षण और कल्याण

ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' के तहत RPF ने 1,499 बच्चों का बचाव किया, जबकि ऑपरेशन जीवन रक्षक के अंतर्गत रेल परिसरों में 69 जानें बचाई गईं जो यात्री कल्याण के प्रति मध्य रेल की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

# स्नातक-शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर कांग्रेस ने कसी कमर, 11 सीटों पर पर्यवेक्षक घोषित

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश में होने वाले स्नातक और शिक्षक विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी इन चुनावों को संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने के अवसर के रूप में देख रही है। इसी क्रम में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने राज्य की 11 विधान परिषद सीटों के लिए पर्यवेक्षकों की घोषणा की।

कांग्रेस नेतृत्व ने स्नातक और शिक्षक वर्ग को पार्टी से जोड़ने के उद्देश्य से वरिष्ठ नेताओं, सांसदों और पूर्व सांसदों को जिम्मेदारी सौंपी है। लखनऊ स्नातक और शिक्षक क्षेत्र के लिए किशोरी लाल शर्मा सांसद और पीएल पुनिया पूर्व सांसद को पर्यवेक्षक बनाया गया है। वहीं वाराणसी क्षेत्र की जिम्मेदारी भगवती प्रसाद चौधरी और पशुपति नाथ राय को दी गई है।

आगरा क्षेत्र में कांग्रेस सांसद राकेश राठौर के साथ विवेक बंसल को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। मेरठ स्नातक और शिक्षक क्षेत्र के लिए इमरान मसूद सांसद और हरेन्द्र अग्रवाल को जिम्मेदारी



सौंपी गई है। इलाहाबाद स्नातक क्षेत्र में उज्जवल रमण सिंह सांसद और नसीमुद्दीन सिद्दीकी को पर्यवेक्षक बनाया गया है।

इसके अलावा बरेली-मुरादाबाद क्षेत्र के लिए कुंवर दानिश अली और फूल कुंवर को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। गोरखपुर-फैजाबाद क्षेत्र में तनुज पुनिया सांसद और अखिलेश प्रताप सिंह को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि मेरठ-सहारनपुर शिक्षक क्षेत्र के लिए बाकिर हुसैन उर्फ बाकर हुसैन को पर्यवेक्षक बनाया गया है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि स्नातक और शिक्षक विधान परिषद चुनाव लोकतंत्र का अहम हिस्सा हैं और पार्टी इन वर्गों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगी। उन्होंने सभी पर्यवेक्षकों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को सक्रिय करें, कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करें और शिक्षकों व स्नातकों के मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाएं। कांग्रेस का मानना है कि इन चुनावों के जरिए पार्टी प्रदेश में अपनी राजनीतिक मौजूदगी को मजबूत करेगी और आगामी चुनावों के लिए आधार तैयार करेगी।

# यूपी भाजपा में ब्राह्मण विधायकों के भोज पर बवाल, क्या पंकज चौधरी का बयान उल्टा पड़ा?

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश भाजपा लखनऊ में पार्टी के ब्राह्मण विधायकों और एमएलसी की हालिया बैठक को लेकर विभाजित नजर आ रही है। जहां नव नियुक्त राज्य इकाई के प्रमुख पंकज चौधरी ने विधायकों को जाति आधारित ऐसी बैठकें आयोजित करने के खिलाफ चेतावनी दी है और कहा है कि भविष्य में इन्हें अनुशासनहीनता माना जाएगा। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और कई अन्य नेताओं का कहना है कि इस बैठक में कुछ भी गलत नहीं था।

इसके साथ ही अब इस बात की चर्चा तेज हो गई है कि पंकज चौधरी की ओर से जारी बयान से प्रदेश के ब्राह्मण समुदाय में अच्छा संदेश नहीं गया और इस पूरे मामले को पंकज चौधरी और बेहतर तरीके से संभाल सकते थे। 23 दिसंबर को उत्तर प्रदेश



विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान, ब्राह्मण विधायकों के एक समूह ने लखनऊ में बैठक की। इस बैठक ने काफी ध्यान आकर्षित किया, जिसमें समाजवादी पार्टी के बागी विधायकों के साथ-साथ भाजपा के विधायक भी शामिल थे। यह बैठक भाजपा के कुशीनगर विधायक पंचानंद पाठक के लखनऊ स्थित आवास पर उनकी पत्नी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित की गई थी।

इसके बाद, राज्य भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने एक कड़ा बयान जारी करते हुए कहा कि जाति आधारित बैठकें संविधान और पार्टी के मूल्यों के खिलाफ हैं, और चेतावनी दी कि ऐसा दोबारा होने पर अनुशासनहीनता मानी जाएगी। हालांकि, उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य समेत भाजपा के कुछ नेताओं ने इस बात से असहमति जताई। मौर्य ने कहा, 'नज़रिया गलत है, उद्देश्य नहीं। लोग मिलते हैं, और उन्हें मिलना चाहिए। अगर कोई विधायक किसी के जन्मदिन, शादी की सालगिरह में जाता है या लिट्टी-चोखा खाने जाता है, तो उसे जाति आधारित बैठक नहीं माना जाना चाहिए।' मंत्री धर्मवीर प्रजापति और सुनील शर्मा ने भी इसी तरह की भावनाएं व्यक्त कीं। प्रजापति ने कहा, 'सत्र के दौरान विधायक इकट्ठा होते हैं और बैठकें करते हैं। इसे जातिवाद से नहीं जोड़ा जाना चाहिए।' शर्मा ने आगे कहा, 'सदन के दौरान चार से छह लोग हमेशा एक साथ बैठते हैं। अगर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोग एक साथ बैठते हैं, तो उसे उसी तरह से नाम दिया जाता है। इसमें कोई राजनीतिक इरादा नहीं था। उपस्थित लोगों ने राष्ट्र, सनातन और पार्टी को मजबूत करने पर चर्चा की होगी।'

पूर्व भाजपा सांसद बृज भूषण शरण सिंह ने भी बैठक का समर्थन करते हुए कहा कि मैं इसे गलत नहीं मानता। जिन्हें लगता है, उन्हें लगने दें। अवसर को भांपते हुए विपक्षी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने ब्राह्मण मतदाताओं को लुभाने की कोशिश की। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने भाजपा के ब्राह्मण विधायकों से एकजुट होने का आग्रह किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि सार्वजनिक रूप से चेतावनी देकर और 'अनुशासनहीन' करार देकर अपमानित किए जाने से अंततः 'अहंकारी शासक बेकाबू' हो जाएंगे।

## न्यूजीलैंड सीरीज से पहले सूर्यकुमार ने तिरुमला मंदिर में किए दर्शन, वीडियो आया सामने

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे और टी20 सीरीज से पहले आध्यात्मिक आशीर्वाद लेने के उद्देश्य से आंध्र प्रदेश के तिरुमला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पत्नी देविशा शेट्टी के साथ दर्शन किए। वैकुंठ एकादशी के शुभ अवसर पर दोनों ने भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की और वैकुंठ द्वारम से होकर दर्शन किए, जिसे अत्यंत पावन माना जाता है।

तिरुमला तिरुपति देवस्थानम प्रशासन की ओर से सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी के लिए विशेष दर्शन की व्यवस्था की गई थी। सुबह के समय दोनों ने शांतिपूर्वक भगवान के दर्शन किए। दर्शन के बाद मंदिर के पुजारियों ने उन्हें रंगनायकुलावरी मंडपम में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आशीर्वाद दिया। इसके पश्चात दोनों को तीर्थ प्रसाद प्रदान किया गया और उन्होंने भगवान को वस्त्र अर्पित किए।

मंदिर परिसर में सूर्यकुमार यादव और देविशा शेट्टी को देखकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। दोनों पारंपरिक परिधान में सादगी और श्रद्धा के साथ धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल हुए। उनकी विनम्रता और आस्था ने एक बार फिर यह दर्शाया कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट शेड्यूल के बावजूद भारतीय खिलाड़ी अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जड़ों से जुड़े रहते हैं।

# 26 साल की एक्ट्रेस नंदिनी सीएम ने क्यों गंवाई जान? बेंगलुरु में मिली लाश, सुसाइड नोट में बताई दर्दनाक कहानी

कन्नड़ और तमिल टेलीविज़न एक्ट्रेस नंदिनी सीएम ने कथित तौर पर सोमवार को बेंगलुरु के आरआर नगर इलाके में एक पेइंग गेस्ट अकोमोडेशन में सुसाइड कर लिया, जिससे रीजनल टेलीविज़न इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस के मुताबिक, 26 साल की एक्ट्रेस का शव 29 दिसंबर की सुबह बेंगलुरु के केंगेरी में उनके पीजी रूम में लटका हुआ मिला।

माना जा रहा है कि यह घटना 28 दिसंबर, 2025 को रात 11:16 बजे से 29 दिसंबर, 2025 को सुबह 12:30 बजे के बीच हुई। इस मामले की जानकारी उसी दिन सुबह करीब 9:15 बजे पुलिस को दी गई।

यह घटना केंगेरी में स्थित पीजी की दूसरी मंजिल पर हुई। प्राथमिकी के मुताबिक, नंदिनी ने 2018 में बल्लारी में अपनी पीयूसी की पढ़ाई पूरी की और बाद में हेसरघट्टा के आरआर इंस्टीट्यूट में इंजीनियरिंग कोर्स में एडमिशन लिया। हालांकि, एक्टिंग में दिलचस्पी होने के कारण उन्होंने रेगुलर कॉलेज जाना बंद कर दिया और राजराजेश्वरी नगर में एक्टिंग की ट्रेनिंग ली। 2019 से, उन्होंने कई कन्नड़ टेलीविज़न सीरियल में काम किया था और बेंगलुरु में पीजी अकोमोडेशन में रह रही थीं। अगस्त 2025 में, वह केंगेरी के पीजी में शिफ्ट हो गई थीं।

जांच अधिकारियों को कमरे से एक हाथ से लिखा हुआ नोट मिला है, जिसमें कथित तौर पर उन्होंने मानसिक तनाव, डिप्रेशन और शादी और सरकारी नौकरी से जुड़े दबाव का ज़िक्र किया है।

पुलिस परिवार के सदस्यों और करीबी जान-पहचान वालों के बयान दर्ज कर रही है, और मौत के सही कारण का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

युवा एक्ट्रेस की मौत की खबर से सोशल मीडिया पर दुख की लहर दौड़ गई है, कन्नड़-तमिल टेलीविज़न इंडस्ट्री के साथियों और फैंस ने शोक व्यक्त किया है और इसे एक बड़ा नुकसान बताया है।

तमिल टेलीविज़न इंडस्ट्री के कई कलाकारों के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बेंगलुरु आने की उम्मीद है, जबकि पुलिस ने इस संवेदनशील मामले से संबंधित जानकारी शेयर करने में संयम बरतने की अपील की है।

नंदिनी कन्नड़ और तमिल सीरियल में अपनी भूमिकाओं के लिए जानी जाती थीं और उन्होंने जीवा हूवागिदे, संघर्ष और गौरी जैसे शो में काम किया था।

लगभग 2019 से एक्टिव नंदिनी ने राजराजेश्वरी नगर में एक्टिंग की ट्रेनिंग ली थी और कई कन्नड़ टेलीविज़न प्रोजेक्ट में काम करने के बाद बाइलिंगुअल सीरियल के ज़रिए पहचान हासिल की थी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, नंदिनी मूल रूप से कर्नाटक के बल्लारी ज़िले की रहने वाली थीं, जहाँ उन्होंने अपना प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स (पीयूसी) पूरा किया और बाद में इंजीनियरिंग करने के लिए बेंगलुरु चली गईं, लेकिन आखिरकार उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाने का फैसला किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, अपने पिता की मौत के बाद उन्हें सहानुभूति के आधार पर सरकारी नौकरी की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया और एक्टिंग जारी रखने का फैसला किया, जिस वजह से कथित तौर पर उनके परिवार में मतभेद हो गए थे।

## पीएनबी में 2434 करोड़ रुपए के घोटाले के बाद फूटा निवेशकों का गुस्सा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पंजाब नैशनल बैंक (पी.एन.बी.) द्वारा श्रेय ग्रुप को दिए गए 2434 करोड़ रुपए के कर्ज में डिफॉल्ट होने के बाद देश का तीसरा बड़ा सरकारी बैंक निवेशकों के निशाने पर है और सोशल मीडिया पर पंजाब नैशनल बैंक की कार्यप्रणाली को लेकर बड़े सवाल उठ रहे हैं। इसके साथ ही निवेशक केन्द्रीय रिजर्व बैंक (आर.बी.आई.) से बैंकों के लिए कड़े निगरानी तंत्र की मांग कर रहे हैं।

बैंक ने श्रेय इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनांस का 1193.06 करोड़ रुपए और श्रेय इक्विपमैंट फाइनांस को 1240.94 करोड़ रुपए का लोन दिया था और श्रेय ग्रुप ने इस कर्ज में डिफॉल्ट कर दिया।

खबरों से पंजाब नैशनल बैंक में लगातार हो रहे लोन डिफॉल्ट के मामलों से निवेशक परेशान हैं। एक निवेशक ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर लिखा कि पी.एन.बी. में घोटाला होना अब खबर नहीं एक परंपरा बन गई है। आम आदमी की गाढ़ी कमाई कब तक ऐसे ही बैड बैंक के हवाले होती रहेगी।

सिंगापुर आधारित पी.टी.डब्ल्यू. ग्रुप के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सी.एफ.ओ.) वेंकट पतकोटा ने लिखा कि पंजाब नैशनल बैंक में 2000 करोड़ से ज्यादा घोटाले की खबर है। ये पब्लिक सैक्टर के बैंकों के प्रबंधन की समस्या है। उनके कम वेतन के कारण बैंकों का प्रबंधन जल्दी दबाव का शिकार हो जाता है।

शेयर मार्कीट में सक्रीय एक अन्य निवेशक ने अपने 'एक्स' हैंडल कैपिटल इनसाइड पर लिखा कि श्रेय ग्रुप द्वारा 2434 करोड़ रुपए के लोन का डिफॉल्ट पी.एस.यू. बैंकों के निवेशकों पर प्रभाव डालेगा और इससे बैंकों के प्रबंधन संबंधी नियमों को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

एक अन्य निवेशक प्रवीण शर्मा ने अपने एक्स हैंडल सीए प्रवीण एसएच पर लिखा कि श्रेय ग्रुप द्वारा लोन का डिफॉल्ट करने की खबरों के बाद बैंक के शेयर में 3 प्रतिशत की गिरावट आई है। हालांकि बैंक ने सफाई दी है कि डिफॉल्ट के प्रभाव को कम करने के लिए प्रॉविजन रखे गए थे लेकिन इसके बावजूद निवेशकों का भरोसा डगमगा रहा है।

एक अन्य निवेशक ने अपने एक्स हैंडल मल्टीबैग एआई पर लिखा कि श्रेय ग्रुप द्वारा किए गए डिफॉल्ट के बाद अब आर.बी.आई. द्वारा बैंकों के निगरानी तंत्र को और मजबूत किए जाने की जरूरत है।

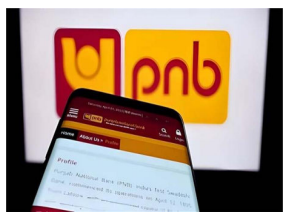


## बीबीएल से बाहर हुए पाकिस्तानी तेज गेंदबाज टी20 वर्ल्ड कप 2026 खेलना भी मुश्किल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को घुटने की चोट के कारण बिग बैश लीग (बीबीएल) 2025-26 के शेष मुकाबलों से बाहर होना पड़ा है। यह चोट उन्हें टूर्नामेंट के दौरान लगी, जिसके चलते उनका ब्रिसबेन हीट के साथ सफर अचानक समाप्त हो गया। यह पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, खासकर टी20 वर्ल्ड कप 2026 से ठीक पहले।

ब्रिसबेन हीट ने 30 दिसंबर को बयान जारी कर बताया कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की मेडिकल टीम से सलाह के बाद यह फैसला लिया गया है कि शाहीन आगे के इलाज के लिए स्वदेश लौटेंगे। टीम मैनेजमेंट का मानना है कि आगामी आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए उनका पूरी तरह फिट होना बेहद जरूरी है।

बीबीएल ड्राफ्ट में नंबर-1 पिक रहे 25 वर्षीय शाहीन का यह पहला बीबीएल अनुभव खास नहीं रहा। उन्होंने चार मैचों में सिर्फ दो विकेट लिए और काफी महंगे साबित हुए। चोट के चलते अब वह टूर्नामेंट पूरा नहीं खेल पाएंगे।शाहीन पहले भी घुटने की गंभीर चोट से जूझ चुके हैं। 2022 टी20 वर्ल्ड कप फाइनल में भी वह इसी तरह चोटिल हुए थे। फिलहाल उन्हें श्रीलंका दौरे के लिए पाकिस्तान की टीम में भी शामिल नहीं किया गया है। हालांकि उन्हें वर्ल्ड कप की प्रोविजनल स्क्वाड में रखा जा सकता है, लेकिन उनकी उपलब्धता को लेकर अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। शाहीन की जगह ब्रिसबेन हीट ने जैक वुड को टीम में शामिल किया है, जो पहले भी फ्रेंचाइज़ी के लिए छह बीबीएल मुकाबले खेल चुके हैं।

## आरसीबी और दिल्ली कैपिटल्स को लगा झटका दो बड़ी प्लेयर्स ने डब्लयूपीएल से वापस नाम लिया

मुंबई **(एजेंसी)**। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की हरफनमौला एलिस पेरी और दिल्ली कैपिटल्स की अनाबेल सदरलैंड ने मंगलवार को निजी कारणों का हवाला देते हुए अगले महीने होने वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) से अपना नाम वापस ले लिया। डब्लयूपीएल की विज्ञप्ति के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया की हरफनमौला पेरी के स्थान पर भारतीय ऑलराउंडर सायली सतघरे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम में शामिल होंगी, जबकि उनकी हमवतन ऑलराउंडर सदरलैंड के स्थान पर दिल्ली कैपिटल्स ने ऑस्ट्रेलिया की लेग स्पिनर अलाना किंग को टीम में शामिल किया है।

डब्लयूपीएल की विज्ञप्ति के मुताबिक, 'ऑस्ट्रेलिया की हरफनमौला एलिस पेरी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) और एनाबेल सदरलैंड (दिल्ली कैपिटल्स) ने निजी कारणों से लीग के आगामी सत्र से अपना नाम वापस ले लिया है। आरसीबी ने पेरी की जगह सायली सतघारे को टीम में शामिल किया है। सतघारे 30 लाख रुपए की आधार कीमत पर आरसीबी में शामिल होंगी। दिल्ली कैपिटल्स ने सदरलैंड की जगह अलाना किंग को टीम में शामिल किया है।' उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया की इस लेग स्पिनर ने पिछले सत्र में यूपी वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने 27 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 27 विकेट लिए है। किंग 60 लाख रुपए की आधार कीमत पर दिल्ली की टीम में शामिल होंगी।'

यूपी वॉरियर्स बाएं हाथ की तेज गेंदबाज तारा नॉरिस की जगह भी ऑस्ट्रेलिया की ऑलराउंडर चार्ली नॉट को टीम में शामिल किया है। डब्लयूपीएल के शुरुआती सत्र में दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेलने वाली नॉरिस को अगले साल नेपाल में होने वाले महिला टी20 विश्व कप क्वालीफायर के लिए अमेरिका की टीम में शामिल किया गया है। डब्लयूपीएल ने बताया, 'नॉट के साथ 10 लाख रुपए की आधार कीमत पर करार किया गया है।' डब्लयूपीएल का चौथा सत्र नौ जनवरी से पांच फरवरी तक नवी मुंबई और वडोदरा में दो चरणों में आयोजित किया जाएगा।

## दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटा, व्यापारिक ढांचा बरकरार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात तेजी से घट सकता है लेकिन यह गिरावट आपूर्ति स्रोतों में किसी संरचनात्मक बदलाव के बजाय अल्पकालिक बाधाओं को दर्शाती है। ताजा आंकड़ों का विश्लेषण करने वाली कंपनी केप्लर के अनुसार दिसंबर में भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात घटकर लगभग 12 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) रहने का अनुमान है, जो नवंबर में 18.4 लाख बीपीडी था। यह स्तर दिसंबर 2022 के बाद सबसे निचला होगा। भारतीय रिफाइनरी गैर-प्रतिबंधित इकाइयों से रूसी कच्चे तेल की खरीद जारी रखे हुए हैं। विश्लेषकों ने अक्टूबर में ही इस गिरावट की ओर इशारा किया था। ऐसा रूस के शीर्ष निर्यातकों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर अमेरिकी कार्रवाई तथा रूस से जुड़े उत्पाद प्रवाह पर यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों के चलते हुआ।

केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, ''दिसंबर में भारत में रूसी कच्चे तेल की मांग तेजी से सुस्त हुई और आयात 2022 के बाद सबसे निचले स्तर पर आ गया है। प्रमुख रिफाइनरी ने रोसनेफ्ट और लुकोइल पर लगे प्रतिबंधों के बाद खरीद घटा दी है। यह एक अल्पावधि का समायोजन लगता है और जनवरी से नए बिचौलियों के आने तथा आपूर्ति श्रृंखलाओं के दोबारा स्थापित होने के साथ आयात में धीरे-धीरे सुधार की उम्मीद है।'' भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और वह फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद रूसी कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बन गया था।

# भारत में 2026 में मुद्रास्फीति का स्तर कम रहने का अनुमान, नई सीपीआई श्रृंखला का इंतजार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश में 2025 में खाद्य कीमतों में नरमी और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती से महंगाई नियंत्रित रही। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए भारत 2026 में खुदरा महंगाई को लक्ष्य बनाने वाले मौद्रिक नीति ढांचे में बदलाव और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) की गणना की पद्धति में संशोधन की तैयारी कर रहा है।

सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर 2025 में भारतीय रिजर्व बैंक के सहज दायरे (2-6 प्रतिशत) के भीतर रही और अगले वर्ष भी इसी स्तर पर रहने की संभावना है। विशेषज्ञों के अनुसार, आने वाले महीनों में केंद्रीय बैंक ब्याज दरों में कम से कम एक और कटौती कर सकता है।

खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी के अलावा, सरकार द्वारा सितंबर में करीब 400 वस्तुओं एवं सेवाओं पर जीएसटी में कटौती भी महंगाई को नियंत्रित करने में सहायक रही। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति दर ने भी 2025 में महंगाई के दबाव में नरमी के संकेत दिए। वर्ष के आरंभ में डब्ल्यूपीआई महंगाई बढ़ी लेकिन जून तक इसमें लगातार गिरावट आई, जो खाद्य और ईंधन श्रेणियों में कीमतों के दबाव में कमी को दर्शाती है।

सीपीआई में लगभग 48 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली खाद्य महंगाई जनवरी में छह प्रतिशत से घटकर जून में शून्य से नीचे चली गई। नवंबर 2025 में खाद्य महंगाई शून्य से नीचे 3.91 प्रतिशत रही। सरकार फरवरी 2026 तक नई सीपीआई श्रृंखला (आधार वर्ष 2024100) जारी करने की तैयारी कर रही है। इसमें सूचकांक संकलन में प्रयुक्त 'कवरेज', मदों की सूची, भार और कार्यप्रणाली में व्यापक संशोधन होगा। यह अभ्यास मुद्रास्फीति के आंकड़ों की विश्वसनीयता और सटीकता बढ़ाने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि 2026-27 की पहली छमाही में शीर्ष मुद्रास्फीति चार प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि नया सीपीआई और उसकी संरचना 2026 में मुद्रास्फीति के पूर्वानुमान को प्रभावित करेगी।

क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि इस साल सीपीआई और डब्ल्यूपीआई दोनों ने उम्मीद से कम आंकड़े दिखाए, जिससे आरबीआई को ब्याज दरों में कटौती का अवसर मिला। 2026-27 में उपभोक्ता मुद्रास्फीति बढ़कर लगभग पांच प्रतिशत होने की संभावना है, मुख्य कारण बेस इफेक्ट है, जबकि ब्याज दरें 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रहने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक 2025-26 के लिए अंतिम द्विमासिक मौद्रिक नीति बैठक 4-6 फरवरी 2026 को आयोजित करेगा।

## वीई कमर्शियल व्हीकल्स को जीएसटी प्राधिकरण से 192.36 करोड़ रुपए की कर मांग को लेकर नोटिस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आइशर मोटर्स लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड को वित्त वर्ष 2017-18 के लिए 'क्रेडिट नोट्स' जानकारी देने में देरी से जुड़े मामले में जुर्माने के साथ-साथ 192.36 करोड़ रुपए की कर मांग का नोटिस मिला है। आइशर मोटर्स ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड (वीईसीवी) को मध्य प्रदेश के उज्जैन आयुक्त कार्यालय के राज्य माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त से इस साल जुलाई में कारण बताओ नोटिस (एससीएन) मिला था।

इसमें वित्त वर्ष 2017-18 से संबंधित सीजीएसटी अधिनियम, 2017 के प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप लगाया गया था। साथ ही इसमें 168.19 करोड़ रुपए की माल एवं सेवा कर (जीएसटी) राशि तथा इतनी ही राशि का जुर्माना लगाया गया था। वीईसीवी के कारण बताओ नोटिस का जवाब देने के बाद कंपनी को 29 दिसंबर 2025 को कर मांग नोटिस मिला।

इसमें कारण बताओ नोटिस के तहत पहले उल्लिखित 168.19 करोड़ रुपए के मुकाबले मामले में 96.18 करोड़ रुपए की कर मांग और इतनी ही जुर्माने राशि एवं ब्याज शामिल है। कंपनी ने कहा कि उक्त नोटिस से कंपनी की वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## मथुरा में विरोध के बाद सनी लियोनी का न्यू ईयर पर होने वाला कार्यक्रम रद्द, साधु-संत ने दी थी आंदोलन की चेतावनी

बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी नए साल के मौके पर मथुरा में डीजे शो करने वाली थी, लेकिन जैसे ही यह बात वहां के साधु-संतों को पता चली, तो उन्होंने इसे लेकर नाराजगी जाहिर की और फिर इसे रद्द करने की मांग भी उठाई। अब उस इवेंट को लेकर अपडेट आया है और प्रशासन ने विरोध के बाद शो कैंसिल कर दिया गया है।

बता दें कि सनी लियोनी का डीजे शो मथुरा के एक निजी होटल ललिता ग्रैंड और होटल द ट्रक में होना था। वहां के लोगों ने इसे ब्रजभूमि को कलंकित करने वाला बताया। वहीं, श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले के मुख्य याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी ने भी इसका कड़ा विरोध किया और सोमवार को साधु-संतों ने नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

वहीं, दिनेश फलाहारी ने जिलाधाकारी को पत्र लिखकर नए साल के इस कार्यक्रम को अश्लीलता और फूहड़ता परोसने वाला बताया साथ ही इसे रद्द करने की मांग की थी। अब इसको लेकर फैसला हो गया है आयोजक मितुल पाठक ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करते हुए सनी लियोनी का कार्यक्रम रद्द होने की सूचना दी है। यह खबर सुनने के बाद साधु-संतों का विरोध शांत हुआ।

न्यूज 18 की रिपोर्ट के अनुसार, अश्वनी कृष्ण महाराज, हिंदूवादी गिर्राज वाल्मीकि, दिनेश फलाहारी महाराज ने कहा कि जिस तरह से विरोध किया गया, वह मेहनत रंग लाई और कार्यक्रम रद्द हुआ। भगवान श्री कृष्ण का आशीर्वाद बृजवासियों को मिला है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह का कार्यक्रम पूर्व में ना हो और ब्रज की मर्यादा को ध्यान में रखकर इवेंट कराए जाएं। साधु-संतों का कहना है कि वह प्रशासन को धन्यवाद देते हैं, जिन्होंने उनकी पीड़ा को सुना और शासन तक हमारी मांग रखी।

# कौन हैं खुशी मुखर्जी, जिन्होंने सूर्यकुमार यादव पर लगाया मैसेज करने का आरोप

## 'जय बजरंग बली' से बोल्ड वेब सीरीज तक में कर चुकी हैं काम

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव और उनकी पत्नी देविशा शेट्टी का प्यार अक्सर लोगों को देखने को मिलता है। सूर्या ने कई बार सामाजिक तौर पर कहा भी है कि उनके करियर में देविशा का सपोर्ट काफी रहा है। अब उनके ऊपर एक एक्ट्रेस ने जो आरोप लगाए हैं वह बेहद संगीन लग रहे हैं। एक्ट्रेस खुशी मुखर्जी के मुताबिक सूर्या उन्हें मैसेज करते थे।

कई टीवी शोज और तमिल फिल्म समेत बोल्ड वेब सीरीज में काम कर चुकीं खुशी मुखर्जी ने ई 24 से बात करते हुए एक वीडियो में यह आरोप लगाए हैं। खुशी इस वीडियो में कहती नजर आ रही हैं, 'कई क्रिकेटर्स मेरे पीछे पड़े थे। और एक क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव मुझे काफी मैसेज किया करते थे, लेकिन अब मेरी किसी से बात नहीं होती है और मुझे कोई भी लिंक अप नहीं चाहिए।'

खुशी मुखर्जी का जन्म कोलकाता में 24 नवंबर 1996 को हुआ था। वह बंगाल में पैदा हुईं थीं लेकिन अभिनय की शुरुआत साउथ फिल्म इंडस्ट्री से की थी। उनकी पहली फिल्म तमिल मूवी अंजल थुराई 2013 में रिलीज हुई थी। उसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म हार्ट अटैक और डोंगाप्रेमा में भी काम किया। साउथ इंडस्ट्री में नाम कमाने के बाद खुशी को हिंदी फिल्म श्रृंगार में अभिनय का मौका मिला।

खुशी ने इसके बाद टीवी का रुख किया और वह एमटीवी के रिएलिटी शो स्प्लिट्सविला 10 और लव स्कूल 3 में नजर आईं। उन्होंने पौराणिक टीवी सीरियर जय बजरंबली के अलावा देविका, बालवीर जैसे पॉपुलर शो में भी काम किया। इसके बाद उन्होंने बोल्ब वेब सीरीज का रुख किया जहां वह काफी विवादों में भी रहीं और ट्रोल भी हुईं। उल्लू की कई वेब सीरीज को लेकर उन्हें ट्रोलिंग का शिकार होना पड़ा। एक्टिंग की दुनिया में तो खुशी काफी पॉपुलर हैं। पिछले कुछ समय से अपने ड्रेसिंग सेंस, विवादित बयानों को लेकर भी वह सुर्खियों में बनी रहती हैं। उस बीच भारतीय स्टार क्रिकेटर को लेकर दिया गया उनका यह बयान सोशल मीडिया पर और ज्यादा आग लगा सकता है। अब देखना होगा इस बयान पर सूर्या या किसी अन्य क्रिकेटर की तरफ से कोई प्रतिक्रिया आती है या नहीं?

# खालिदा जिया के जनाजे में शामिल होंगे एस जयशंकर, 31 दिसंबर को जाएंगे ढाका

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के जनाजे में शामिल होंगे। विदेश मंत्री ढाका 31 दिसंबर को रवाना होंगे। बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की प्रमुख बेगम खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में भारत सरकार और भारत के लोगों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके लिए वह 31 दिसंबर को ढाका जाएंगे।

**पीएम मोदी ने जताया शोक**

पीएम मोदी ने लिखा, 'ढाका में पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। उनके परिवार और बांग्लादेश के समस्त जनमानस के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं। ईश्वर उनके परिवार को इस दुखद घड़ी को सहने की शक्ति प्रदान करें।'

**2015 में सौहार्दपूर्ण मुलाकात, आशा है दूरदृष्टि और विरासत से मार्गदर्शन होगा**

दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में उनके योगदान पर पीएम मोदी ने लिखा, 'बांग्लादेश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री

के रूप में बांग्लादेश के विकास और भारत-बांग्लादेश संबंधों में उनके महत्वपूर्ण योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मुझे 2015 में ढाका में उनसे हुई उनकी सौहार्दपूर्ण मुलाकात याद है। हम आशा करते हैं कि उनकी दूरदृष्टि और विरासत हमारी साझेदारी को आगे भी दिशा देती रहेगी।उनकी आत्मा को शांति मिले।'

**इस साल मई में लौटीं थी बांग्लादेश**

खालिदा जिया ब्रिटेन में इलाज कराने के बाद मई में देश लौटी थीं। इससे पहले, जनवरी की शुरुआत में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने उन्हें विदेश यात्रा की अनुमति दी थी। शेख हसीना की सरकार ने इससे पहले कम से कम 18 बार उनके विदेश जाने के अनुरोध को खारिज किया था।

**पार्टी ने किया सात दिन के शोक का एलान**

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने अपनी अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के निधन के बाद मंगलवार को सात दिन के आधिकारिक शोक का एलान किया है। बीएनपी के केंद्रीय कार्यालय, पार्टी अध्यक्ष के ढाका स्थित गुलशन कार्यालय और जिला कार्यालयों में शोक पुस्तिकाएं रखी गई हैं ताकि सदस्य और आम जनता उनकी याद में चंद शब्द लिख सकें और उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें।

**अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार क्या बोले?**

पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने भी शोक प्रकट किया। उन्होंने देश में तीन दिन के राजकीय शोक का भी एलान किया। यूनुस ने टीवी पर प्रसारित एक संदेश में कहा, नमाज-ए-जनाजा और पूरे देश में शोक के दौरान अनुशासन और कानून-व्यवस्था बनाए रखें। उन्होंने कहा, 'पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन पर, मैं तीन दिनों के राजकीय शोक और कल उनकी नमाज-ए-जनाजा (सुपुर्द-ए-खाक करते समय पढ़ी जाने वाली नमाज) के दिन सार्वजनिक अवकाश की घोषणा करता हूं।'

## अनादि, अविनाशी और शाश्वत है सनातन धर्म

# गंगानगर प्रयागराज के विराट सम्मेलन में इंजीनियर डी. एन. शुक्ला का ओजस्वी उद्बोधन

प्रयागराज।सकल हिंदू समाज, गंगानगर प्रयागराज के तत्वावधान में आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करते हुए इंजीनियर डी. एन. शुक्ला ने सनातन धर्म की अनादि और शाश्वत परंपरा को सशक्त शब्दों में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सृष्टि के आरंभ से लेकर आज तक यदि कोई धर्म निरंतर मानवता का मार्गदर्शन करता आया है, तो वह केवल सनातन धर्म है।

अपने संबोधन की शुरुआत भगवद्गीता के श्लोक से करते हुए उन्होंने कहा–

'धर्मो रक्षति रक्षितः'

अर्थात जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है।

इंजीनियर शुक्ला ने कहा कि सनातन धर्म किसी काल विशेष की देन नहीं, बल्कि जीवन की शाश्वत व्यवस्था है, जो सत्य, करुणा, कर्तव्य और समरसता पर आधारित है।

उन्होंने श्रीरामचरितमानस की चौपाई उद्धृत करते हुए कहा–

'परहित सरिस धरम नहि भाई,
पर पीड़ा सम नहि अधमाई।'

इस चौपाई के माध्यम से उन्होंने बताया कि सनातन धर्म का मूल तत्व परहित और मानव कल्याण है, जो इसे विश्व का सबसे उदात्त और वैज्ञानिक धर्म बनाता है।

इंजीनियर शुक्ला ने आगे गीता का श्लोक प्रस्तुत करते हुए कहा–

'यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत,
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।'

उन्होंने कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब सनातन चेतना नए रूप में प्रकट होकर समाज को दिशा देती है। यही कारण है कि सभ्यताएँ बदलीं, शासन बदले, लेकिन सनातन धर्म अडिग रहा।

रामायण की चौपाई के माध्यम से उन्होंने समाज को एकजुट रहने का संदेश देते हुए कहा–

'रघुकुल रीत सदा चली आई,
प्राण जाए पर वचन न जाई।'

उन्होंने कहा कि सत्य, वचनबद्धता और नैतिकता ही सनातन धर्म की पहचान है, और यही मूल्य राष्ट्र को सशक्त बनाते हैं।

सम्मेलन में उपस्थित संतों, बुद्धिजीवियों और श्रद्धालुओं ने इंजीनियर शुक्ला के ओजस्वी विचारों का करतल ध्वनि से स्वागत किया। पूरा वातावरण ' वंदे मातरम' के उद्घोष से गूंज उठा।

आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के विराट आयोजन समाज में संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रबोध को सुदृढ़ करते हैं तथा युवा पीढ़ी को अपने सनातन गौरव से जोड़ने का कार्य करते हैं।

# गांधी परिवार में बजने वाली है शहनाई, प्रियंका गांधी के बेटे रेहान की अवीवा बेग से हुई सगाई

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के बेटे रेहान वाड्रा ने अपनी लंबे समय से प्रेमिका रहीं अवीवा बेग से सगाई कर ली है। सूत्रों ने बताया है कि 25 वर्षीय रेहान वाड्रा ने हाल ही में अपनी सात साल पुरानी प्रेमिका अवीवा बेग को शादी का प्रस्ताव दिया और उन्होंने हां कह दी। बताया जा रहा है कि सगाई को दोनों परिवारों की मंजूरी मिल चुकी है। सूत्रों ने बताया कि अवीवा बेग और उनका परिवार दिल्ली में रहता है। सूत्रों के अनुसार, दोनों परिवार आपस में घनिष्ठ हैं। रेहान (25) अपने परिवार की राजनीतिक विरासत से अलग हटकर

अपना रास्ता खुद बना रहे हैं। 29 अगस्त, 2000 को जन्मे रायहान ने बचपन से ही कला और फोटोग्राफी में गहरी रुचि दिखाई है। हालांकि वे सार्वजनिक रूप से कम ही दिखाई देते हैं, लेकिन कुछ राजनीतिक कार्यक्रमों में उन्हें अक्सर मीडिया की नजरों से दूर देखा गया है। दिल्ली में पढ़ाई के अलावा, उन्होंने देहरादून के दून स्कूल में भी शिक्षा प्राप्त की, जहां राजीव गांधी और राहुल गांधी ने भी पढ़ाई की थी। इसके बाद वे राजनीति में उच्च शिक्षा के लिए लंदन के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज चले गए।

पेशे से रेहान एक इंस्टॉलेशन और विजुअल आर्टिस्ट हैं, जिन्हें यात्रा और प्रकृति फोटोग्राफी में विशेष रुचि है, जिसे वे सोशल मीडिया पर साझा करते हैं। उन्होंने 'डार्क परसेप्शन' और 'द इंडिया स्टोरी' जैसी एकल प्रदर्शनियाँ आयोजित की हैं, जिनमें से 'द इंडिया स्टोरी' कोलकाता में हुई थी, और अपने काम के लिए प्रशंसा प्राप्त की है। मुंबई के कोलाबा स्थित समकालीन कला गैलरी, अपरे आर्ट हाउस में उपलब्ध उनकी जीवनी के अनुसार, उनके पोर्टफोलियो में वन्यजीव, स्ट्रीट और व्यावसायिक फोटोग्राफी शामिल है।

# सुप्रीम कोर्ट ने पेश होने वाले वकीलों के लिए जारी की एसओपी, तेज होगी न्याय की प्रक्रिया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अपने सामने पेश होने वाले वकीलों के लिए दलीलें रखने और लिखित नोट जमा करने की समय-सीमा तय की। शीर्ष कोर्ट ने इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है। इस कदम का मकसद कोर्ट के कामकाज को बेहतर बनाना और न्याय की प्रक्रिया को तेज करना है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और सुप्रीम कोर्ट के अन्य जजों ने सोमवार को एक नोटिस जारी किया, जिसमें सभी मामलों में मौखिक दलीलों को तय समय में पूरा करने के लिए एसओपी तय की गई है।

यह एसओपी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई। इस एसओपी के तहत कहा गया है कि नोटिस के बाद और नियमित सुनवाई वाले सभी मामलों में वरिष्ठ वकील, बहस करने वाले वकील या

रिकॉर्ड पर वकील को सुनवाई शुरू होने से कम से कम एक दिन पहले मौखिक दलीलों की समय-सीमा जमा करनी होगी। यह जानकारी रिकॉर्ड पर वकील को दिए गए ऑनलाइन पोर्टल के जरिये माननीय न्यायालय को भेजी जाएगी।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि वरिष्ठ वकीलों समेत जो वकील बहस करने वाले होंगे, उन्हें रिकॉर्ड पर अपने वकील के जरिये अधिकतम पांच पन्नों की लिखित दलील जमा करनी होगी। साथ इसकी एक प्रति सुनवाई की तारीख से कम से कम तीन दिन पहले दूसरे पक्ष को देना अनिवार्य होगा। इसमें कहा गया है कि सभी वकीलों को तय समय-सीमा का सख्ती से पालन करना होगा और अपनी मौखिक दलीलें उसी समय के भीतर पूरी करनी होंगी। इस नोटिस में सुप्रीम कोर्ट के चार रजिस्ट्रार ने हस्ताक्षर किए हैं।

## बांग्लादेश में टारगेट किलिंग का खौफनाक सिलसिला जारी, एक और हिंदू की गोली मारकर हत्या

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला मयमनसहि क्षेत्र से सामने आया है, जहां 42 वर्षीय हिंदू नागरिक बजेंद्र बिस्वास की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने बेहद नजदीक से फायरिंग की, जिससे बजेंद्र बिस्वास की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

यह कोई अकेली घटना नहीं है। बीते महीनों में बांग्लादेश के विभिन्न हिस्सों में हिंदू नागरिकों की हत्याएं, मंदिरों में तोड़फोड़, घरों और दुकानों को आग के हवाले करने जैसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। विशेषज्ञ इसे लक्षित हिंसा करार दे रहे हैं। भारत ने बार-बार बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। कूटनीतिक सूत्रों के अनुसार, नई दिल्ली इस ताजा हत्या पर भी करीबी नजर बनाए हुए है और इसे मानवाधिकार उल्लंघन के रूप में देखा जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठनों का कहना है कि बांग्लादेश में हिंदू समुदाय भय के साए में जीने को मजबूर है। उनका आरोप है कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई न होने से हमलावरों के हौसले बढ़ रहे हैं। यह हत्या बांग्लादेश में धार्मिक स्वतंत्रता और कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े करती है।स्थानीय हिंदू समुदाय ने सरकार से मांग की है कि दोषियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

## सऊदी अरब ने यमन में की बमबारी

# यूएई से आए हथियार बनाए निशाना हूती बलों ने की आपातकाल की घोषणा

रियाद **(एजेंसी)**। सऊदी अरब ने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला पर बमबारी कर एक ऐसी हथियारों की खेप को निशाना बनाया है, जिसके बारे में दावा किया गया है कि वह संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आई थी और यमन के एक अलगाववादी संगठन के लिए भेजी जा रही थी। सऊदी अरब ने मंगलवार को इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि की। यह हमला सऊदी अरब और यूएई समर्थित 'सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल' के बीच बढ़ते तनाव को दर्शाता है। साथ ही, इससे यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक दशक से जारी युद्ध के दौरान रियाद और अबू धाबी के रिश्तों में दरार के संकेत भी मिले हैं।

सरकारी सऊदी प्रेस एजेंसी के अनुसार, सऊदी नेतृत्व वाली गठबंधन वायुसेना ने यह कार्रवाई तब की, जब यूएई के पूर्वी तट स्थित फुजैरा बंदरगाह से आए दो पोत मुकाला पहुंचे। सेना के बयान में कहा गया कि इन जहाजों से उतारे गए हथियार और लड़ाकू वाहन क्षेत्र की सुरक्षा और स्थिरता के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे थे।बयान में कहा गया, 'इन हथियारों से उत्पन्न खतरे को देखते हुए गठबंधन वायुसेना ने एक सीमित सैन्य अभियान चलाया और अल-मुकाला बंदरगाह पर हथियारों व लड़ाकू वाहनों को निशाना बनाया।'

इस पूरे घटनाक्रम पर यूएई की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि यमन युद्ध में सऊदी अरब और यूएई लंबे समय से अलग-अलग

स्थानीय गुटों का समर्थन करते रहे हैं। ताजा बमबारी ने यह साफ कर दिया है कि यमन संकट अब केवल हूती विद्रोहियों तक सीमित नहीं, बल्कि क्षेत्रीय सहयोगियों के बीच टकराव का रूप भी लेता जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि इस घटनाक्रम से यमन में शांति प्रयासों को और झटका लग सकता है और मध्य-पूर्व में अस्थिरता बढ़ने की आशंका है। सऊदी अरब द्वारा किए गए हवाई हमलों के बाद यमन में हूती-विरोधी बलों ने मंगलवार को आपातकाल की घोषणा कर दी। इन बलों ने अपने नियंत्रण वाले इलाकों में सभी सीमा चौकियों को 72 घंटे के लिए बंद करने की घोषणा की। साथ ही, हवाई अड्डों और बंदरगाहों में प्रवेश पर भी रोक लगा दी है, केवल उन लोगों पर प्रतिबंध नहीं है जिन्हें सऊदी अरब ने अनुमति दी है।

## आंतरिक विद्रोह से दहला पाकिस्तान

# बीएलएफ का कई सैन्य ठिकानों पर हमला, 10 पाक सैनिक किए ढेर

पेशावर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) ने अलग-अलग इलाकों में किए गए सिलसिलेवार हमलों में 10 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, ये हमले झाओ, बरखान, तुंप और तुर्बत क्षेत्रों में किए गए। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब इससे एक दिन पहले ही बलूच सशस्त्र समूहों ने कम से कम 15 पाक सैनिकों की मौत का दावा किया था।

बीएलएफ के प्रवक्ता मेजर ग्वाहराम बलोच ने बयान में कहा कि 28 दिसंबर की दोपहर अवारान जिले के झाओ क्षेत्र में पाकिस्तानी सैन्य काफिले पर घात लगाकर हमला किया गया। इस हमले में सेना की पैदल टुकड़ी, बम निरोधक दस्ता और एक पिकअप वाहन को निशाना बनाया गया। बीएलएफ के अनुसार, मौके पर 8 सैनिक मारे गए, जबकि 3 गंभीर रूप से घायल हुए। चौंकाने वाली बात यह रही कि काफिले की सुरक्षा में तैनात बख्तरबंद वाहन हमला होते ही भाग निकला, जिससे मारे गए और घायल सैनिक मौके पर ही छूट गए। इसके कुछ घंटों बाद बीएलएफ ने बरखान जिले के रातखनी के पास एक सैन्य शिविर पर रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड से हमला किया। इस हमले में दो और पाक सैनिक मारे गए और एक घायल हुआ। इसके अलावा, तुर्बत में पाक नौसेना के शिविर के मुख्य द्वार पर हैंड ग्रेनेड हमला किया गया, जिससे सैनिक हताहत हुए और इलाके में गश्त बढ़ानी पड़ी। बीएलएफ ने साफ कहा है कि 'स्वतंत्र बलूचिस्तान' के लक्ष्य तक पहुंचने तक पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमले जारी रहेंगे।

## खालिदा के निधन पर बेटे तारिक की भावुक श्रद्धांजलि

# बोले- लोकतंत्र की आत्मा प्यारी मां चली गई, देश ही अब मेरा परिवार

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के कार्यकारी अध्यक्ष तारिक रहमान ने अपनी मां, पूर्व प्रधानमंत्री और बीएनपी प्रमुख बेगम खालिदा जिया के निधन पर भावुक श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने उन्हें एक स्नेही मां और ऐसा नेता बताया, जिन्होंने अपना पूरा जीवन बांग्लादेश और उसके लोगों के लिए समर्पित कर दिया। खालिदा जिया का मंगलवार तड़के लंबी बीमारी के बाद 80 वर्ष की उम्र में ढाका के एवरकेयर अस्पताल में निधन हो गया। बीएनपी के अनुसार, वह पिछले एक महीने से अस्पताल में भर्ती थीं। पार्टी ने उनके निधन पर सात दिन के शोक कार्यक्रम की घोषणा की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी संदेश में तारिक रहमान ने लिखा, 'मेरी मां, बीएनपी चेयरपर्सन बेगम खालिदा जिया ने आज अल्लाह के बुलावे पर इस दुनिया को अलविदा कह दिया। देश उन्हें एक अडिग नेता, मदर ऑफ डेमोक्रेसी और बांग्लादेश की मां के रूप में याद करेगा।' उन्होंने कहा कि निजी जीवन में खालिदा जिया एक कोमल और स्नेहिल मां थीं, जिन्होंने तानाशाही, फासीवाद और प्रभुत्व के खिलाफ जीवन भर संघर्ष किया। 'उन्होंने स्वतंत्रता, संप्रभुता और लोकतंत्र की बहाली के लिए कभी समझौता नहीं किया, ' तारिक रहमान ने कहा। उन्होंने बताया कि राजनीतिक प्रताड़ना, बार-बार गिरफ्तारी और इलाज से वंचित किए जाने के बावजूद खालिदा जिया ने अद्भुत साहस दिखाया। उन्होंने कहा 'दर्द और कैद के बीच भी वह हमारे परिवार की ढाल बनी रहीं। उनका साहस शांत था, लेकिन अटूट था' । तारिक रहमान ने कहा कि देश के लिए खालिदा जिया ने अपना पति और एक पुत्र खोया।

## अफगानिस्तान में फिर मौत का सफर

# बदख्शां कार हादसे में गई 7 सवारों की जान

काबुल **(एजेंसी)**। अफगानिस्तान के उत्तरी बदख्शां प्रांत में मंगलवार तड़के हुए एक दर्दनाक कार सड़क हादसे में सात यात्रियों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता एहसानुल्लाह कामगर ने दी। उन्होंने बताया कि यह भीषण दुर्घटना बदख्शां के पहाड़ी दारवाज़ क्षेत्र के मैमै ज़िले में सुबह-सुबह हुई। हादसे के कारणों को लेकर विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन इलाके की भौगोलिक स्थिति और संकरी सड़कों को हादसे की एक बड़ी वजह माना जा रहा है।

अफगानिस्तान में हाल के दिनों में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में लगातार इजाफा हुआ है। पिछले सप्ताह बगलान प्रांत के सालंग इलाके में एक यात्री बस के पलटने से पांच लोगों की मौत हो गई थी और 44 यात्री घायल हो गए थे। अफगान लोक निर्माण मंत्रालय के अनुसार, यह दुर्घटना तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग के कारण हुई। मंत्रालय ने यात्रियों से अपील की है कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। अधिकारियों ने बताया कि सालंग हाइवे पर कई स्थानों पर बर्फ हटाने का काम जारी है। इससे पहले, 15 दिसंबर को भी अफगानिस्तान के गजनी और जौज़जान प्रांतों में अलग-अलग सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत और 16 लोग घायल हुए थे अधिकारियों का कहना है कि अफगानिस्तान में सड़क दुर्घटनाओं का मुख्य कारण लापरवाह ड्राइविंग, भीड़भाड़ वाली सड़कें और खराब बुनियादी ढांचा है, जो लगातार आम नागरिकों की जान ले रहा है।

## बुधवार को पति की कब्र के बगल में सुपुर्द-ए-खाक़ होंगी खालिदा जिया

# देश में 3 दिवसीय राजकीय शोक घोषित यूनुस ने जनता से की खास अपील

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को बुधवार को सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा और उन्हें उनके पति एवं पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की कब्र के बगल में दफन किया जाएगा। अंतरिम सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) की लंबे समय तक प्रमुख रहीं और तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकीं जिया का सुबह ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष की थीं। समाचार पोर्टल 'बीडीन्यूज24.कॉम' ने विधि सलाहकार आसिफ नजरुल के हवाले से बताया कि जिया का अंतिम संस्कार बुधवार को ज़ोहर की नमाज़ के बाद मानिक मियां एवेन्यू में होगा।

नजरुल ने अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद की राजकीय अतिथि गृह जमुना में हुई विशेष बैठक के बाद पत्रकारों को बताया कि जिया को बाद में उनके पति, पूर्व राष्ट्रपति और बीएनपी के संस्थापक जियाउर रहमान की कब्र के बगल में, ढाका के शेर-ए-बांग्ला नगर स्थित जिया उद्यान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ दफनाया जाएगा। बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर विशेष आमंत्रित व्यक्ति के रूप में बैठक में शामिल हुए। इससे पहले, मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए तीन दिन के राजकीय शोक और एक दिन के आम अवकाश की घोषणा की। यूनुस ने राष्ट्र के नाम टेलीविजन पर प्रसारित संबोधन में लोगों से आग्रह किया कि वे संयम और कानून व्यवस्था बनाए रखें। उन्होंने कहा, " पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन पर मैं तीन दिन के राजकीय शोक और कल उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किए जाने के दिन एक दिन की छुट्टी की घोषणा करता हूं।"

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)